छत्तीसढ़ स्थापना के रजत जयंती वर्ष पर शुभकामनाएं...

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

वर्ष -16, अंक - 30 | कोरबा, शुक्रवार दिनांक 31 अक्टूबर से 06 नवंबर 2025 | पृष्ठ - 12, मूल्य -3/-

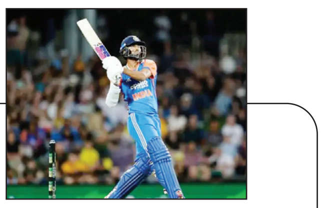

भारत ने तीसरा टी-20 जीता, ऑस्ट्रेलिया 5 विकेट से हारा

होबार्ट (एजेंसी)।

भारत ने तीसरे टी-20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया। इस जीत के साथ ही भारत ने 5 मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली है। होबार्ट में भारतीय टीम ने 187 रन का टारगेट 18.3 ओवर में 5 विकेट पर चेज कर लिया। वॉशिंगटन सुंदर 23 बॉल पर 49 और जितेश शर्मा 13 बॉल पर 22 रन पर नाबाद लौटे। ऑस्ट्रेलिया से नाथन एलिस ने 3 विकेट झटके। इससे पहले टॉस हारकर बैटिंग कर रही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 186 रन बनाए। टिम डेविड ने 38 बॉल पर 74 रन की आक्रामक पारी खेली। जबकि मार्कस स्टोयनिस ने 39 बॉल पर 64 रन बनाए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने 3 विकेट झटके। वरुण चक्रवर्ती को 2 सफलता मिली। शिवम दुबे ने एक विकेट लिया। अर्शदीप प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। 5 मैचों की सीरीज में बराबरी पर आया भारत भारत 5 मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी पर आ गया है। वह दूसरा मैच 4 विकेट से गंवाने के बाद 0-1 से पिछड़ गया था। पहला टी-20 बारिश में धुल गया था। चौथा मुकाबला 6 नवंबर को गोल्ड कोस्ट में खेला जाएगा।

8000 फीट से कूदेंगे एयरफोर्स के लड़ाके:छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में सूर्य-किरण के शौर्य के साथ दिखेगा आकाश गंगा का पराक्रम, आगरा से रायपुर पहुंचे इंस्ट्रक्टर

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस (राज्योत्सव) के 25 साल पूरे होने पर इस बार राजधानी रायपुर के सेंध तालाब के ऊपर भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण एयरोबेटिक टीम आकाश गंगा पहली बार एयर शो करने जा रही है। इसके अलावा एयरफोर्स के स्पेशल लड़ाके भी करीब 8 हजार फीट की ऊंचाई से पैरा जंप करेंगे।

रविवार को पैराट्रूपर ट्रेनिंग स्कूल से एक प्रशिक्षक रायपुर पहुंचे हैं, जो करतब दिखाएंगे। उन्होंने पैरा जंपिंग के लिए टेबल पर जगह चिह्नित की और हरी झंडी दिखाई। इसके बाद लगभग 8 लोगों की एक विशेष टीम जल्द ही रायपुर पहुंच सकती है।

वायुसेना की टीम 4 नवंबर को रिहर्सल पूरी करेगी। 5 नवंबर को रोबोटिक शो में बॉम्ब बर्स्ट, हार्ट-इन-द-स्काई और एरोहेड जैसे शानदार फॉर्मेशन दर्शकों को जोश और देशभक्ति से भर देंगे। संभागायुक्त महादेव कावरे, आईजी अमरेश मिश्रा, कलेक्टर गौरव सिंह और एसएसपी लाल उम्मेद सिंह ने तैयारियों का जायजा लिया।

बाहुबली रॉकेट भारतीय जमीन से सबसे भारी सैटेलाइट लेकर गया

श्रीहरिकोटा (एजेंसी)।

इसरो ने रविवार 2 नवंबर को शाम 5:26 बजे बाहुबली रॉकेट से 4400 किलो का सैटेलाइट लॉन्च किया। ये भारतीय जमीन से जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (GTO) तक लॉन्च होने वाला सबसे भारी सैटेलाइट है। ये नौसेना की कम्युनिकेशन क्षमताओं को और मजबूत करेगा।

एक अंडाकार ऑर्बिट है। रॉकेट ने इस ऑर्बिट में सैटेलाइट छोड़ दिया है। अब कल सैटेलाइट इंजन फायर होगा और ये ऑर्बिट को सर्कुलर कर लेगा। इसे जियोस्टेशनरी ऑर्बिट (GEO) कहते हैं। इसमें सैटेलाइट 24 घंटे कवरेज दे सकता है। इससे पहले ISRO ने चंद्रयान-3 मिशन में 3900 KG पेलोड GTO में भेजा था। GTO में भेजा गया दुनिया का सबसे भारी सैटेलाइट इकोस्टार 24 (जुपिटर 3) है। इसका वजन लॉन्च के

समय करीब 9,000 किलो था। इसे स्पेसएक्स के फाल्कन हैवी रॉकेट से लॉन्च किया गया था।

नक्सल सरेंडर...बैज बोले-क्या 'झीरम 2' की तैयारी में सरकार- दीपक बैज

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के सरेंडर पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने सरकार को घेरा है। बैज ने कहा कि कहा कि नक्सलियों के लगातार हो रहे आत्मसमर्पण के पीछे कहीं कोई बड़ी साजिश तो नहीं है। क्या सरकार झीरम 2 की तैयारी में है। सरकार और नक्सलियों के बीच आखिर कौन-सी शांति वार्ता हुई है? दीपक बैज ने कहा कि नक्सलियों के सरेंडर की खबरें लगातार आ रही हैं, लेकिन इसके पीछे सरकार की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सभी ऑपरेशन बंद कर दिए गए हैं। 200 नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे थे, तब CM और डिप्टी CM दोनों मौजूद थे, फिर वे मौके पर क्यों नहीं पहुंचे। प्रेस कॉन्फ्रेंस कर औपचारिकता क्यों निभाई गई? वहीं बैज के बयान पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा, कांग्रेस हमेशा देश तोड़ने वालों के साथ नजर आती है। प्रधानमंत्री ने जो बात कही है, वो कांग्रेसियों के समझ में आने वाली नहीं है। नक्सलियों को पांच साल तक कांग्रेस सरकार ने पाला-पोसा है। देश तोड़ने वालों के साथ इनका रिश्ता जगजाहिर है।

राज्योत्सव : कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने किया शुभारंभ

कोरबा (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत महोत्सव के अवसर पर रविवार को जिला मुख्यालय के घण्टाघर चौक स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर ओपन थियेटर मैदान में कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का शुभारंभ हो गया है। मुख्य अतिथि श्री पटेल सहित अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। साथ ही सभी अतिथियों द्वारा विभागीय स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की

प्रगति का अवलोकन किया गया।

श्री पटेल सहित सभी अतिथियों ने जिलेवासियों को राज्योत्सव की शुभकामनाएं दी एवं राज्य के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने हेतु प्रोत्साहित किया।

जिला भाजपा अध्यक्ष गोपाल मोदी, महापौर नगर निगम कोरबा श्रीमती संजू देवी राजपूत, अध्यक्ष जिला पंचायत डॉ पवन सिंह, सभापति नगर निगम नूतन सिंह ठाकुर, पार्षद वार्ड क्रमांक 24 पंकज देवांगन सहित काफी संख्या में जन प्रतिनिधि, नेतागण अन्य अतिथि शामिल हुए। राज्योत्सव में छत्तीसगढ़ी लोकप्रिय जसगीत गायक दिलीप षड़ंगी अपनी कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे। उनकी भावपूर्ण जसगीत सुनकर दर्शक उत्साह से झूम रहे।

साथ ही स्थानीय कलाकारों द्वारा शानदार व रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। राज्योत्सव में विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा विकास पर आधारित स्टॉल लगाई गई है।

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एचटीपीएस दर्री के पूर्व छात्र परिषद ने सेवानिवृत्त होने पर प्राचार्य नवल किशोर शुक्ला का किया सम्मान, दी विदाई

शिक्षा के साथ संस्कारवान छात्र ही कर सकते हैं राष्ट्र निर्माण - राजकुमार अग्रवाल

विद्यार्थियों की सफलता से अभिभूत हूं - प्राचार्य नवल किशोर

कोरबा/दर्री (दिव्य आकाश)।

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एचटीपीएस दर्री के प्राचार्य नवल किशोर शुक्ला ने 37 साल तक विद्यार्थियों को अनुशासन, संस्कार, नैतिकता के साथ शिक्षित कर कई ओहदे तक पहुंचाया और 26 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हो गए। यहां के पूर्व छात्र परिषद एवं हसदेव शिक्षण समिति ने सेवानिवृत्त श्री शुक्ला के लिए सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया और जीवन में नए युग के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए ससम्मान विदाई दी।

बतौर मुख्य अतिथि कोरबा के जाने माने समाज सेवक एवं नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा के डायरेक्टर पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि जिस विद्यार्थी में शिक्षा के साथ संस्कार हो, वही सच्चा नागरिक बन सकता है और ऐसे नागरिक ही राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर में शिक्षा के साथ बच्चों को संस्कारवान बनाया जाता है, यह बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि 37 साल तक बच्चों को बेहतर नागरिक बनाने का काम प्राचार्य नवल किशोर शुक्ला ने किया है, ऐसे प्राचार्य को हम प्रणाम करते हैं, जिनके शिष्य आज भारत के विभिन्न कोनों में रहकर ऊंचे पद पर कार्यरत हैं और विदेशों में भी अपना जीवन खुशहाल बना रहे हैं।

सेवानिवृत्त प्राचार्य नवल किशोर शुक्ला ने 37 साल के बाद विद्या के इस मंदिर से विदाई के क्षण में करूण हो गए और नेत्रों से अश्रु प्रवाहित होने लगे। जब उन्हें उद्बोधन के लिए बुलाया गया तो रूंधे स्वर में कहा कि हम शिक्षकों का कार्य चुनौती भरा रहता है और हम कम वेतन में ही बच्चों को बेहतर भविष्य के लिए अपनी पूरी ऊर्जा और पूरा समय देते हैं, लेकिन हमें इस बात पर गर्व होता है कि हमारे पढ़ाए बच्चे राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं और विदेशों में भी भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्र परिषद के मेरे प्यारे बच्चों एवं विद्यालय प्रबंधन ने मुझे आज जो सम्मान दिया, इन्हीं यादों को लेकर जीवन में आगे का सफर तय करूंगा और इतने दिन तक

समयाभाव के परिवार को समय नहीं दे पाया, इस कमी को पूरा करने का प्रयास करूंगा। कार्यक्रम को हसदेव शिक्षण समिति के अध्यक्ष धनंजय सिंह, व्यवस्थापक भीष्मदेव सिंह, कोषाध्यक्ष मेहुल फड़तरे ने भी संभोधित किया। अतिथि के रूप में दर्शन अग्रवाल, पूर्व छात्र परिषद के संयोजक आशीष चौहान, सदस्य आशीष अग्रवाल, नरेन्द्र कौशिक, अखिलेश शर्मा, अरविन्द सिन्हा, सुनीता वैष्णव, इमरान मेमन, दिलीप सिंह राज, प्रशांत साहू, डॉ. जगदीश शिंदे, पंकज यादव, कल्पना गोस्वामी, सुधांशु मिश्रा, चित्रा राठौर, अंकिता सिंह, सुरेंद्र कुमार डनसेना सहित अन्य सदस्यों के अलावा विद्यालय के छात्रगण, अध्यापकगण एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम संयोजक सुरेन्द्र कुमार डनसेना ने किया।

बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

स्मृति चिन्ह से सम्मान

पूर्व छात्र परिषद के सदस्यों ने प्राचार्य नवल किशोर शुक्ला का ऐसा सम्मान किया कि वे भावविभोर हो गए।

छत्तीसगढ़ का नवीन विधानसभा भवन लोकार्पित

तीन करोड़ जनता की आकांक्षाओं का प्रतीक - छत्तीसगढ़ की संस्कृति और शिल्प से सजे-संवरे इस नए विधानसभा भवन में राज्य के तीन करोड़ नागरिकों की उम्मीदें, आकांक्षाएं और आत्मगौरव साकार होता दिखेगा। यह भवन न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था का, बल्कि छत्तीसगढ़ की पहचान, प्रगति और परंपरा का प्रतीक भी बनेगा।

रायपुर (दिव्य आकाश)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 01 नवम्बर को नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन के लोकार्पण के साथ ही विधानसभा के खुद के भवन का 25 साल का इंतजार खत्म हो गया। राज्य निर्माण के रजत जयंती वर्ष में राज्योत्सव के मौके पर छत्तीसगढ़ को अपना भव्य और आधुनिक विधानसभा भवन मिला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में नए विधानसभा परिसर में आयोजित लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि यह हम सबके लिए बहुत गौरव का क्षण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सदैव लोकतांत्रिक परंपराओं पर गहरा विश्वास रहा है। राज्य की समृद्धि और खुशहाली के फैसले अब इस भवन में होंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि यहां राज्य के हित से जुड़े विधेयकों व मुद्दों पर सार्थक चर्चा से जनता की आकांक्षाएं और अपेक्षाएं पूर्ण होंगी। यह नया भवन छत्तीसगढ़ विधानसभा की परंपरा तथा लोकतंत्र की भावनाओं को और मजबूत करेगी एवं इनका गौरव बढ़ाएंगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन भगवान श्रीराम के ननिहाल और माता कौशल्या की धरती छत्तीसगढ़ के लिए स्वर्णिम है। छत्तीसगढ़ विधानसभा का पिछले 25 वर्षों में गौरवशाली इतिहास रहा है। राज्य सरकार पिछले 21-22 महीनों से मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को अटलजी ने बनाया है और मोदी इसे संवारने का काम कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज प्रदेश के लिए ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण है। आज यह भवन, भूमि और मंच अभूतपूर्व समय का साक्षी बन रहा है। छत्तीसगढ़ के इतिहास में आज का दिन स्वर्णिम अक्षरों में अंकित रहेगा। आज के दिन ही 25 वर्ष पहले स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी ने राज्य का निर्माण किया था और आज ही यह अपने निर्माण से विधान तक का सफर पूरा कर रहा है। उन्होंने बताया कि नया विधानसभा भवन 80 प्रतिशत स्वदेशी मटेरियल से बना है। सदन में बस्तर के सागौन से निर्मित फर्नीचर और दरवाजे हैं, सीलिंग में धान की बालियों की कलाकारी है। छत्तीसगढ़ को यहां समाहित किया गया है। राज्यपाल रमेन डेका, केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्रीद्वय अरुण साव और विजय शर्मा, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत और सांसद बृजमोहन अग्रवाल भी विधानसभा भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल हुए।

खूबसूरत इमारत ही नहीं, छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और आस्था का प्रतीक

छत्तीसगढ़ के इतिहास में 1 नवम्बर के दिन एक नया अध्याय जुड़ा। वर्ष 2000 में राज्य गठन के बाद रायपुर के राजकुमार कॉलेज से शुरू हुई छत्तीसगढ़ विधानसभा को 25 वर्षों के बाद रजत जयंती वर्ष में अपना भव्य, आधुनिक और पूर्ण सुविधायुक्त स्थायी भवन मिल गया है। यह भवन केवल एक खूबसूरत इमारत ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और आस्था का प्रतीक भी है।

324 करोड़ की लागत से बना 51 एकड़ में फैला परिसर

कुल 51 एकड़ में फैले इस परिसर का निर्माण 324 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। भवन को तीन मुख्य हिस्सों—विंग-ए, विंग-बी और विंग-सी—में विभाजित किया गया है। विंग-ए में विधानसभा का सचिवालय, विंग-बी में सदन, सेंट्रल हॉल, मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय, तथा विंग-सी में मंत्रियों के कार्यालय स्थित हैं।

हरित तकनीक से निर्मित पर्यावरण अनुकूल भवन

यह भवन पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल और हरित निर्माण तकनीक से बनाया गया है। परिसर में सोलर प्लांट की स्थापना के साथ वर्षा जल संचयन हेतु दो सरोवर भी बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा, भवन में पर्यावरण-संरक्षण के सभी मानकों का पालन किया गया है।

भविष्य की जरूरतों के अनुरूप अत्याधुनिक भवन

नए विधानसभा भवन को वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। यह पूरी तरह सर्वसुविधायुक्त और सुसज्जित भवन है, जिसके सदन को 200 सदस्यों तक के बैठने के लिए विस्तारित किया जा सकता है। पेपरलेस विधानसभा संचालन के लिए आवश्यक तकनीकी सुविधाओं का समावेश भी किया गया है, जिससे यह भवन 'स्मार्ट विधानसभा' के रूप में विकसित होगा।

छत्तीसगढ़ के विधान सभा का नया भवन लोकतांत्रिक संस्थाओं को मज़बूत करने के सरकार के दृष्टिकोण को दर्शाता है: लोकसभा अध्यक्ष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रायपुर में छत्तीसगढ़ विधान सभा के नए भवन का उद्घाटन किया, जो राज्य की लोकतांत्रिक यात्रा की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस नवीन भवन का उद्घाटन समारोह राज्य के गठन की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस समारोह में भाग लिया और छत्तीसगढ़ के लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विधानमंडल ऐसी संस्थाएँ हैं जो विश्वास का साकार रूप हैं और नागरिकों की आस्था एवं आकांक्षाओं का प्रतीक हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन संस्थाओं में होने वाली चर्चाओं और विचार-विमर्श की गुणवत्ता ही लोकतंत्र की मज़बूती और शासन की सफलता का निर्धारण करती है। श्री बिरला ने विश्वास व्यक्त किया कि विधान सभा का नया भवन राज्य में समावेशी विकास और सुशासन को बढ़ावा देगा और आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित भारत के विज़न को साकार करने में योगदान देगा। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि नए भवन का उद्घाटन देश भर में लोकतांत्रिक संस्थाओं को मज़बूत करने हेतु केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

विधान सभा का नया परिसर आधुनिक वास्तुकला के अनुसार डिज़ाइन किया गया है और उन्नत डिजिटल अवसंरचना सहित अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त है। श्री बिरला ने कहा कि इससे विधायकों को लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और नीति निर्माण एवं लोक कल्याण में अधिक प्रभावी ढंग से योगदान देने का अवसर मिलेगा।

श्री बिरला ने गरिमा, संवाद और लोकतांत्रिक व्यवहार की उच्च परंपराओं को बनाए रखने के लिए छत्तीसगढ़ विधानसभा की प्रशंसा की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नए भवन में ये परंपराएँ और सुदृढ़ होंगी, और यह भवन लोकतांत्रिक आदर्शों का जीवंत केंद्र बनेगा एवं जनप्रतिनिधियों को समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, छत्तीसगढ़ विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, संसद सदस्यगण, मंत्रीगण, विधायकगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कृषि-प्रधान संस्कृति और बस्तर के काष्ठ शिल्प की झलक

'धान का कटोरा' कहलाने वाले छत्तीसगढ़ की पहचान को इस भवन की वास्तुकला में बखूबी पिरोया गया है। विधानसभा के सदन की सीलिंग पर धान की बालियों और पत्तियों को उकेरा गया है, जो प्रदेश की कृषि-प्रधान संस्कृति का प्रतीक है। भवन के ज्यादातर दरवाजे और फर्नीचर बस्तर के पारंपरिक काष्ठ शिल्पियों द्वारा बनाए गए हैं। इस तरह नया विधानसभा भवन आधुनिकता और परंपरा का एक जीवंत संगम बन गया है।

500 सीटर ऑडिटोरियम और 200 सीटर सेंट्रल हॉल

विधानसभा भवन में 500 दर्शक क्षमता वाला अत्याधुनिक ऑडिटोरियम और 200 सीटर सेंट्रल हॉल बनाया गया है। भवन की वास्तुकला आधुनिकता और पारंपरिक शैलियों का उत्कृष्ट मेल है।

राज्यपाल रमेन डेका ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को स्मृति चिन्ह भेंट किया

राज्यपाल रमेन डेका ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के राजभवन आगमन पर उनका स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी भी उपस्थित थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्योत्सव स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आज नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। यह प्रदर्शनी राज्य की विकास यात्रा, सुशासन के नवाचारों और न्याय प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में हुए ऐतिहासिक प्रयासों का जीवंत प्रदर्शन है।

यह प्रदर्शनी 1 से 5 नवम्बर 2025 तक आम नागरिकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों और जनप्रतिनिधियों के लिए खुली रहेगी, जिसमें शासन की योजनाओं, जनसेवाओं और नई कानूनी व्यवस्थाओं की जानकारी आम जनता तक रोचक तरीके से पहुंचाया जाएगा।

राज्योत्सव प्रदर्शनी में प्रमुख रूप से राजस्व विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, खाद्य विभाग, शिक्षा विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, खनिज विभाग, गृह विभाग, छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण, श्रम विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, लोक निर्माण विभाग, जनसंपर्क विभाग, आदिवासी विकास विभाग, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, जल संसाधन विभाग, उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामान्य प्रशासन विभाग ने भव्य प्रदर्शनी के माध्यम से अपने विभाग की योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया है। ये सभी विभाग अपनी योजनाओं और नवाचारों के माध्यम से प्रदेश की 25 वर्ष की उपलब्धियों का चित्रण कर रहे हैं।

गृह विभाग की प्रदर्शनी में दिखी नवीन आपराधिक कानूनों की झलक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में न्याय प्रणाली को आधुनिक, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने की दिशा में किए गए सुधारों को गृह (पुलिस) विभाग की प्रदर्शनी में विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया है। इन नवीन आपराधिक कानूनों का उद्देश्य अपराधों की जांच और निपटान में वैज्ञानिक पद्धति, डिजिटल साक्ष्य और फोरेंसिक सहयोग को प्राथमिकता देना है, जिससे न्याय प्रणाली अधिक तेज़, प्रभावी और पारदर्शी बने। गृह विभाग की प्रदर्शनी में पुलिस विभाग, डायल 112, सीन ऑफ क्राइम यूनिट, सिविल हॉस्पिटल, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, अभियोजन, जिला न्यायालय, कारागृह, उच्च न्यायालय सहित न्याय व्यवस्था के पाँच प्रमुख स्तंभ- पुलिस, जेल, अभियोजन, फोरेंसिक विशेषज्ञ और न्यायिक अधिकारी- की भूमिका को दर्शाया गया है। तकनीक, अनुसंधान और समन्वय के माध्यम से अब अपराध जांच और न्यायिक प्रक्रिया में गति और सटीकता लाई जा रही है।

चार दिवसीय छठ महापर्व में घाटों पर दिखा दिव्य दमक और श्रद्धा : सूर्य उपासना का महा अनुष्ठान संपन्न उगते सूर्य को अर्ध्य देकर व्रतियों ने किया पारण

हे छठी मईय्या!
चारों तरफ फैलाएं
सुख-समृद्धि-आरोग्य का आलोक

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

वर्ष -16, अंक - 30 | कोरबा, शुक्रवार दिनांक 31 अक्टूबर से 06 नवंबर 2025 | पृष्ठ - 8, मूल्य -3/-

छठ महापर्व संपन्न

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कार्तिक शुक्ल सप्तमी विक्रम संवत् 2082, 28 अक्टूबर, सूर्य सप्तमी की सुनहरी सुबह, जिले के छठ घाटों में दिव्यता की दमक दिखाई दे रही थी। पूर्वांचल वासियों के साथ-साथ कोरबावासियों की अगाध श्रद्धा छठ घाटों में दिखाई दे रही थी। सूर्य की पहली किरण जैसे ही प्रवाहित जल पर पड़ी, व्रतियों के चेहरों पर श्रद्धा की दमक साफ दिखाई दे रही थी और इसी के साथ सूर्य को अर्ध्य देने की परंपरा शुरू हुई। हल्का बादल छाने के कारण सूर्य देव ने जैसे ही दर्शन दिया आकाश की सुनहरी काया जल पर पड़ कर जल भी अपनी काया बदली और सुनहरी हो गया। धीरे-धीरे सुनहरी किरणों से आसमान और जल पर सूर्य की लालिमा ने प्रकृति के उल्लास को इंगित कर रही थी। छठ घाटों में अर्ध्य देने के साथ-साथ उल्लास और उमंग के साथ आतिशबाजी भी हुई। बच्चे से लेकर सभी वर्ग के लोग आतिशबाजी कर छठ पर्व की संपन्नता पर खुशियां बिखेर रहे थे। कुछ देर में व्रतियों ने अपना पारण किया और व्रतियों का पग जल से घाट की ओर बढ़ने लगे। सूर्यदेव की आराधना के बाद पूर्वांचलवासी घाटों पर उपस्थित लोगों को ठेकुआ सहित फल एवं अन्य प्रसाद का वितरण किया और उल्लास, उमंग के साथ सभी की मंगल कामनाओं को हृदय में रखकर घर की ओर रवाना हुए। सभी ने छठ मईया से आशीर्वाद मांगा, हे छठी मईय्या! आप अपने आलोक से सबके घरों में खुशियां लाना, सभी सुखी हों, सभी आरोग्य हों। इस मनोकामना के साथ चार दिवसीय छठ का महा अनुष्ठान संपन्न हुआ और भगवान भुवन भास्कर को सप्तमी का अर्ध्य दिया गया। पूर्वांचल का यह महापर्व कोरबा में आस्था और विश्वास के साथ संपन्न हुआ। छठ की उपासना से व्रतियों ने आत्मशुद्धि और आत्म पुष्टि का कठिन व्रत संपन्न किया। छठी मईय्या की छत्र छाया पूरे कोरबावासियों पर हमेशा बनी रहे, इन्हीं मंगल कामनाओं के साथ छठ घाटों में उमड़ी श्रद्धा का सैलाब कुछ घंटों बाद छट गया और यह महापर्व सोल्लास संपन्न हुआ।

तुलसीनगर घाट में छठ की दिव्यता

पूर्व पार्षद विकास अग्रवाल सपरिवार पहुंचे, दिया उगते सूर्य को अर्ध्य

तुलसी छठ घाट पूर्वांचल विकास समिति ने 15वें वर्ष भी शानदार रूप से छठ महापर्व को दिव्यता और उल्लास के साथ मनाया। संरक्षक एवं पूर्व पार्षद विकास अग्रवाल के नेतृत्व में छठ घाट को बेहतर ढंग से सजाया गया था और व्रतियों के लिए हर सुविधाएं उपलब्ध कराई थीं। विकास अग्रवाल अपनी माताश्री श्रीमती गायत्री देवी अग्रवाल, धर्म पत्नी एवं पूर्व पार्षद श्रीमती आरती अग्रवाल के साथ छठ एवं सप्तमी को यहां पहुंचे और भगवान भुवन भास्कर को अर्ध्य देकर सबकी मंगल कामनाओं के लिए प्रार्थना की। पूर्वांचल वासियों के साथ छठ मईय्या की विधि विधान से पूजा अर्चना की।

व्रतियों का सम्मान

पूर्व वर्षों की भांति विकास अग्रवाल ने सभी व्रतियों के लिए सम्मान समारोह भी रखा और उपस्थित अपनी माताश्री श्रीमती गायत्री देवी अग्रवाल, प्रदेश भाजपा मंत्री सुश्री ऋतु चौरसिया, पूर्व पार्षद श्रीमती आरती अग्रवाल, वर्तमान पार्षद श्रीमती मथुरा बाई चंद्रा, समिति के अध्यक्ष शत्रुघन शर्मा सहित अन्य अतिथियों के हाथों व्रतियों का सम्मान कराया। श्रीमती आरती अग्रवाल-विकास अग्रवाल ने व्रतियों का चरण पखार कर आशीर्वाद लिया। विकास अग्रवाल ने कहा कि छठ माता की महिमा अपरम्पार है और उनकी पूजा से हर मंगल कामनाएं पूर्ण होती हैं।

सर्वमंगल प्रदात्रि है छठी मईय्या -अरविंद शर्मा

पूर्वांचल सर्व समाज के महासचिव, भूमिहार ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष अरविंद कुमार शर्मा ने परिवार सहित कोरबा की पूण्य हसदेव नदी की पावन धारा में कार्तिक शुक्ल सप्तमी की प्रथम किरण के साथ भगवान भुवन भास्कर को अर्ध्य देकर कठिन व्रत छत्तीस घंटे का निर्जला उपवास का पारण किया। उन्होंने भगवान भुवन भास्कर को अर्ध्य देते हुए कोरबा की समृद्धि और सभी की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। सूर्य षष्ठी एवं सप्तमी को सर्वमंगला घाट हसदेव नदी की पुण्यधरा पर विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर छठ मईय्या का आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री शर्मा ने कहा कि छठी मईय्या की महिमा अपरम्पार है और विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

कनक मंदिर ज्वेलर्स परिवार का छठ पर्व उल्लास के साथ संपन्न

कनक मंदिर ज्वेलर्स पॉवर हाऊस रोड कोरबा के संचालक शंकर सोनी ने परिवार सहित घर की छत में ही छठी मईया का चार दिवसीय महापर्व संपन्न किया। सूर्य षष्ठी को डूबते सूरज को अर्ध्य दिया गया और कार्तिक शुक्ल सप्तमी को उदीयमान सूरज को अर्ध्य देकर चार दिवसीय छठ महापर्व संपन्न किया गया। शंकर सोनी अपने पुत्रद्वय शिवा, शिवम सहित धर्मपत्नी एवं बहुओं, नाती-पोता के साथ विधि विधान से पूजा अर्चना की। शंकर सोनी ने कहा कि छठ मईया की कृपा से ही आरोग्य प्राप्ति हुई और घर में खुशहाली छायी।

पंचकर्म चिकित्सालय परिवार ने मनाया छठ महापर्व

सभी के लिए आरोग्य एवं खुशहाली की कामना की डॉ. मनीषा सिंह ने

चार दिवसीय छठ महापर्व सप्तमी के उदीयमान सूरज को अर्ध्य देने के साथ हर्षोल्लास एवं उमंग के साथ सम्पन्न हो गया। 36 घंटे का निर्जला उपवास का यह कठिन पर्व छठी मैय्या का आशीर्वाद लेकर सम्पन्न हो गया और ऊर्जा तथा जीवन में नए उमंग की कामना के साथ सप्तमी के उदीयमान सूर्य को अर्ध्य दिया गया।

पूर्वांचल वासियों का सबसे पवित्रम और कठिन व्रत छठ महापर्व को पंचकर्म चिकित्सालय परिवार ने घर पर ही सम्पन्न किया और छत की टंकी में सूर्य देव को अर्ध्य दिया गया। डॉ. मनीषा सिंह-कन्हैया सिंह ने सपरिवार इस छठ व्रत को सम्पन्न किया।

सप्तमी को अर्ध्य देकर सबके लिए आरोग्य की कामना

पंचकर्म चिकित्सालय टी पी नगर कोरबा की डायरेक्टर डॉ. मनीषा सिंह ने परिवार सहित उदीयमान सूरज को अर्ध्य दिया और जिलेवासियों की खुशहाली एवं सबके लिए आरोग्य की कामना की और चार दिवसीय छठ महापर्व को सम्पन्न किया।

नहाय धोय के साथ इस पवित्र पर्व का शुभारंभ किया गया और दूसरे दिन खरना की रस्म पूरी कर खरना का प्रसाद वितरित किया गया। 36 घंटे का निर्जला व्रत रखकर छठी मैय्या की विधिवत आराधना की गई और सभी की मंगलकामनाएं पूर्ण हों, इस भावना के साथ सप्तमी को सूर्य की पहली किरण के साथ भगवान भुवन भास्कर को अर्ध्य देकर उष्मा और जीवन में नई ऊर्जा के लिए प्रार्थना की गई। डॉ. मनीषा सिंह ने बताया कि छठ मैय्या एक जीवंत देवी हैं और संतान प्राप्ति सहित जीवन की खुशहाली के लिए 36 घंटे का निर्जला व्रत किया जाता है। छठी मैय्या सभी की मंगलकामनाएं पूर्ण करें, इस भावना के साथ छठ महापर्व को सम्पन्न किया।

सुविचार

सुशासन वही है... जहां लोगों का जीवन सरल और सुगम हो, जहां भय और भ्रष्टाचार न हो

सरोकार

नशा मुक्त छत्तीसगढ़ से ही सुशासन

विष्णु के सुशासन को दो साल होने को है। आज छत्तीसगढ़ का रजत जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। हमारे देश के मुखिया नरेंद्र दामोदर मोदी ने 5 दिवसीय उत्सव का शुभारंभ किया। विष्णु सरकार दावा कर रही है कि छत्तीसगढ़ में सुशासन आ गया है और चारों तरफ समृद्धि आ रही है। लोग सुखमय जीवन जी रहे हैं, दूसरी ओर छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण हो गए हैं और राजधानी से लेकर जिला मुख्यालयों तक उत्सव मनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना से लेकर अब तक यहां की समृद्धि किसी से छुपी नहीं। सभी सरकारों ने छत्तीसगढ़ के विकास को रफ्तार दी। छत्तीसगढ़ को विकासशील बनाने में सबसे बड़ा योगदान डॉ. रमन सिंह सरकार की रही, जिन्होंने 15 साल तक छत्तीसगढ़ को मुख्यमंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दी। इसमें कोई शक नहीं कि डॉ. रमन सिंह जैसे व्यक्तित्व बिरले ही होते हैं, जिनके कार्यकाल में अटल जी की कार्यशैली की झलक दिखाई देती थी। छत्तीसगढ़ का मुखिया होने के नाते उन्होंने हर व्यक्ति को बराबर सम्मान दिया और दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर छत्तीसगढ़ विकास के लिए काम किया। छत्तीसगढ़ जन्म होने के साथ ही अजीत प्रमोद कुमार जोगी यहां के पहले मुख्यमंत्री बने। तीन साल तक राज किया और अपने कड़ी प्रशासनिक क्षमता के कारण उन्होंने कई ऐतिहासिक सौगात राज्य को दी। हिटलरशाही कार्यशैली ने उन्हें जनता से दूर कर दिया और छत्तीसगढ़ के प्रथम चुनाव में जनता ने उन्हें नकार दिया और सौम्य, शिक्षित और सरल व्यक्तित्व के धनी डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी। 15 साल का अटल साम्राज्य भूपेश के नेतृत्व में कांग्रेस ने धवस्त कर दिया। 5 साल तक भूपेश के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार ने अर्थव्यवस्था को नई धार दी और खेत, खलिहान, ग्रामीण, किसान सब भूपेश की योजनाओं से आल्हादित हुए। भूपेश ने ऐसी-ऐसी योजनाएं लाई, जिनसे छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यस्था मजबूत हुई। खेती-किसानी के प्रति किसानों का रूझान बढ़ा, वनोपजों से आदिवासी मुख्यधारा में लौटने लगे, पशुधन विकास के ऐतिहासिक काम हुए। राम वन पथ गमन योजना ने छत्तीसगढ़ को नई पहचान दी। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण होने लगा, तो छत्तीसगढ़ में कौशिल्या माई का मंदिर। भूपेश सरकार से जनता खुश थी, लेकिन चुनाव आते-आते भूपेश का दम्भ आसमान पर था और कुछ वादे पूर्ण न होने और भ्रष्टाचार उजागर करने के लिए ईडी की लगातार कार्यवाही ने भूपेश की खटिया ही उलट दी और 75 की संख्या 35 में सिमट गई। 2023 के चुनाव में भाजपा की सरकार आई और फिर से भाजपा ने साम्राज्य स्थापित किया। मोदी की गॉरंटी को पटल पर रख कर भाजपा ने चुनाव लड़ा, लेकिन लड़खड़ाती भाजपा को महतारी वंदन का लाभ मिला और 54 सीटों पर जीत हासिल कर सरल बहुमत से सरकार बनाया। डॉ. रमन सिंह के चेहरे ने भाजपा को जनता के करीब लाया, लेकिन डॉ. रमन सिंह को सीएम न बनाकर कमान विष्णु को सौंपी गई। शपथ लेते ही... सुशासन का सूर्योदय चकम उठा। शराब बंदी की घोषणा तो नहीं की गई थी, लेकिन सुशासन का सूर्योदय होते ही मोहल्ले-मोहल्ले में अहाता और शराब दुकानें खुलती गई। नशामुक्त छत्तीसगढ़ बनाने का ध्येय ले कर सुशासन का सूर्योदय हुआ लेकिन दुर्भाग्य कि यहां आदिवासियों को नशे के लत में ढकेला गया। सुशासन का सूर्योदय होने के साथ-साथ नशा का अंधकार बढ़ता ही गया। नशामुक्त छत्तीसगढ़ से ही स्वस्थ छत्तीसगढ़ की परिकल्पना साकार हो सकती है और सुशासन का सूर्योदय हो सकता है, लेकिन विष्णु का सूर्य उदय तो हुआ, लेकिन नशायुक्त छत्तीसगढ़ को भी बल मिला। 25 वर्ष रजत जयंती समारोह में विकास की बड़ी-बड़ी प्रदर्शनी राजधानी से लेकर जिला मुख्यालयों तक दिख रही है, लेकिन नशायुक्त छत्तीसगढ़ से सुशासन की परिकल्पना की जा सकती है, यह सोचनीय विषय है। अधोसंरचना विकास के साथ-साथ बुनियादी सुविधाएं भी इन 25 सालों में ऐतिहासिक रूप से बढ़ी है, लेकिन दुर्भाग्य है कि जिस शराब बंदी की घोषणा पूरी न होने के कारण भूपेश की सरकार गई और विष्णु की भाजपा सरकार आई। विष्णु का सुशासन आते ही शराब दुकानों की संख्या दोगुनी हो गई और छत्तीसगढ़ की आधी आबादी भौंचक रह गई। आधी आबादी को आघात लगा और सोचने लगी, कि इससे अच्छा तो भूपेश सरकार ही थी। उड़ता पंजाब की तर्ज पर अब छत्तीसगढ़ भी उड़ता छत्तीसगढ़ बनने की ओर अग्रसर हो रहा है, जहां अपराधों की संख्या में भी भूपेश सरकार के कार्यकाल से बेतहाशा वृद्धि हो रही है। जघन्य अपराधों की संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है और दावा सुशासन का हो रहा है। जब तक आदिवासियों को जागरूक नहीं किया जाएगा, तब तक उनकी खुशहाली और समृद्धि पर ग्रहण दूर नहीं होगा। शिक्षा पर फोकस करने के बजाए युक्तियुक्तकरण के माध्यम से हजारों स्कूलों को बंद कर दिया गया और दावा किया जा रहा है कि हमने शिक्षा के स्तर को बढ़ाया है। युक्तियुक्तकरण के बाद भी आज प्राथमिक स्कूलों में सिर्फ एक शिक्षक पदस्थ है। ओ पी चौधरी जैसे विद्वान मंत्री को शायद भान होगा कि पांच कक्षाओं को एक शिक्षक पढ़ाए और शिक्षा का स्तर बढ़े। आज भी छत्तीसगढ़ में 50 हजार शिक्षकों की कमी है और सिर्फ ओ पी चौधरी साहब ने 5 हजार से भी कम शिक्षकों की भर्ती को अनुमति दी। भूपेश ने 32 हजार शिक्षकों की भर्ती का वादा किया और नवयुवकों को लुभाया। 5 साल बीते, लेकिन वे अपना वादा पूरा नहीं कर सके और नवयुवकों को आघात पहुंचाया। यह सरकार भी नवयुवकों से छल करने पर तुली हुई है और दावा किया जा रहा है सुशासन का। विकसित छत्तीसगढ़ के लिए नशामुक्त, स्वस्थ और शिक्षित छत्तीसगढ़ जरूरी है।

-संपादक

युवा छत्तीसगढ़ : 25 सालों में विकास का गढ़ता नया आयाम

खुशहाल छत्तीसगढ़... समृद्ध छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ महतारी के साथ 01 नवम्बर 2000 का वह स्वर्णीम दिन, जब भारत ही नहीं बल्कि दुनिया का सबसे दमकता वह चेहरा भी याद आ रहा है, जिसने 25 साल पहले बीमार, पिछड़ा, अनपढ़ छत्तीसगढ़ को बनाया और संवारने का काम भी किया। अटल जी वह चेहरा हैं, जिनकी दमक से आज छत्तीसगढ़ भी दमक रहा है। चारों तरफ खुशहाली की बयार चल रही है और चारों तरफ छत्तीसगढ़ महतारी का चेहरा भी दमक रहा है। यहां की मिट्टी सोना उगलती है और यहां का हर एक आदमी खुशहाली की डगर तय कर रहा है। यहां की मिट्टी में वह ऊर्जा है, जिसका एक रज माथे में लगा लो तो वह हीरा बन जाता है। मेहनतकश किसान आम आदमी से लेकर सीमा पर तैनात जवानों के लिए धान उपजाता है, तो यहां का एल्युमिनियम हमारे रक्षा उपकरणों को बनाने में अपनी सहभागिता निभा रहा है। काला हीरा देश के न जाने कितने उपक्रमों को चला रहा है और देश को रोशन भी कर रहा है।

छत्तीसगढ़ की धरा वह पुण्य धरा है जहां पर माता कौशिल्या का जन्म हुआ और भगवान श्रीराम के पग पड़े। ऐसी पुण्य धरा अपने में लघु भारत को समेटे हुए सतरंगी छटा बिखेर रही है। शांति का टापू पूरे भारत में अद्वितीय है। यहां का हर एक कोना अटल जी की विकास गाथा को दोहरा रहा है। अटल वह नाम है, जिसके कारण ही छत्तीसगढ़ इतना खुशहाल और स्वावलंबी बन सका। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने पूरे देश के ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के धूर वनांचल क्षेत्रों को भी सुगम यातायात दिया और वनवासियों को जीवन के मुख्य धारा में लाया। अटल जी का कार्यकाल स्वर्णीम था, जहां भारत में एकता और सद्भावना को बल मिला। हर संप्रदाय, हर धर्म, हर जाति, वर्ग के लोग उनके कार्यकाल में भारत को स्वर्ग कहने में हिचकते नहीं थे। इसीलिए अटल जी सर्वमान्य नेता कहे जाने लगे और उनके कार्यकाल को स्वर्णीम काल का दर्जा दिया गया। अटल जी ही एक ऐसा चेहरा थे, जिनकी आज तक किसी भी दल ने कमजोरी नहीं निकाल पाया और उनके नेतृत्व को भारत ने स्वीकार किया। उनके कार्यकाल में प्रत्येक का जीवन सरल और सुगम था, जिसकी कमी आज लोगों को खल रही है। आज भारत माता भी इस लाडले सपूत को याद कर रही होगी। आज भारत आगे तो बढ़ रहा है, लेकिन धर्म और जाति के नाम पर जिस तरह राजनीति हो रही है, वह सर्वधर्म संभाव पर आघात है। भारत हिन्दुओं का देश है और यहां रहने वाला हर कोई हिन्दू है। हिन्दू किसी धर्म या जाति नहीं है, बल्कि एक विचारधारा है, जिसे सबको मानना पड़ेगा। छत्तीसगढ़ को शांति का टापू बनाएं रखें, जहां पर न तो नक्सलियों की हिंसा हो और न ही अपराध। नशामुक्त छत्तीसगढ़ से ही स्वस्थ और समृद्ध छत्तीसगढ़ की परिकल्पना साकार होगी और अटल जी ने जो विकसित छत्तीसगढ़ का सपना देखा था, वह पूरा होगा। छत्तीसगढ़ महतारी के गर्भ में संसाधनों का सही उपयोग हो।

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

छत्तीसगढ़ स्थापना का रजत जयंती वर्ष : 01 नवम्बर 2025

बार-बार जनम लेंव तोर कोरा म

मोर छत्तीसगढ़ महतारी ह 25 साल के हो गिस। हमर छत्तीसगढ़ महतारी के का कहना। ओकर कोरा जइसे दुनिया म ककरो कोरा नइए। चारों तरफ धान के हरियर लुगरा फहरावत हे। एकरे खातिर एला धान के कटोरा कहे जाथे। एकर कोरा म जिसना सुख हमन ल मिलथे, उसना सुख कहीं मिलना दूभर हे। चारों तरफ के आदमी छत्तीसगढ़ आके सुख से रइथे, अऊ इहें के हो जाथे। गांव म पीपल के छइहां, सुख-दुख म एक-दूसरे के साथ देवइया, इसना हे हमर छत्तीसगढ़िया।

छत्तीसगढ़ महतारी के कोरा म चारों तरफ जंगल, पहार, नदी, नाला... जेमन छत्तीसगढ़ महतारी के सुंदरता ल बढ़ावत हावैं। यहां के सुंदरता के का कहना... ईब से लेके इंदरावती ह जहां धान के खेत म हरियाली लाथे, उहें हसदेव, महानदी, अरपा, शिवनाथ, रेणुका, खारून, मनयारी, लीलागर ह चारों तरफ पानी बरसावत हे अऊ छत्तीसगढ़िया मन ल सुख देवत हे।

कोइला, चूना पत्थर, बाक्साईट, टिन, लौह अयस्क, हीरा जइसे खदान ले हमर महतारी के कोख ह अबाद होवत हे, अऊ भारत के घलऊ विकास होवत हे। छत्तीसगढ़ म कोइला के कारण इहां के मान भारी बढ़गे हे। कोइला के कारण भारी मात्रा म बिजली बनत हे अऊ भारत के कई हिस्सा ह रोशन होवत हावै। जेकर खातिर छत्तीसगढ़ महतारी ल बिजली के हब माने गे हे।

हमर भारत रतन अटल बिहारी बाजपेयी के हमन ऋणी रबो, जेकर करम ले हमन सुघ्घर छत्तीसगढ़ ल पाए हावन। छत्तीसगढ़ के कोरा म का चीज नई हे। चारों मुड़ा ले छत्तीसगढ़ महतारी ह अपन लइका मन बर सोना बरसावत हे, ताकि ओकर लइका मन सुख से रहें। हमर छत्तीसगढ़ महतारी जइसे अऊ कोनो परदेस नइ हावै, इहां के माटी म जो महक हावै, उसना कोनो परदेस म नइ हे। भारत के कोनो डहर ले आएं, इहां के हो के रई जाथें, ओमन ल भी भारी प्यार-दुलार मिलथे, जेकर खातिर ओमन भी कथें - छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया...। इहां के रहवासी मन हमेशा एही कथें- मोर बार-बार जनम तोर कोरा म होए। 25 साल के मोर महतारी ल जनम दिन (01 नवम्बर) के भारी बधाई...।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना (01 नवम्बर) के शानदार 25 वर्ष (रजत जयंती वर्ष)

राज्य सरकार के प्रयासों से श्रमिकों के जीवन में आ रहा है बदलाव

छत्तीसगढ राज्य स्थापना के समय 16 जिलों में से 09 जिलों में श्रम कार्यालय तथा 04 जिलों में औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा कार्यालय संचालित है। वर्तमान में राज्य के समस्त 33 जिलों में श्रम कार्यालय तथा 10 जिलों में औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा तथा वर्ष 2008 से रायपुर में इंडस्ट्रीयल हाईजिन लैब का राज्य स्तरीय कार्यालय प्रारंभ किया गया है। राज्य स्थापना के बाद से वर्ष 2008 में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल तथा वर्ष 2011 में छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल का गठन किया गया है। उक्त मण्डलों में श्रमिकों के पंजीयन, नवीनीकरण तथा विभिन्न योजनाओं में आवेदन विभागीय पोर्टल/श्रमेव जयते मोबाईल ऐप के माध्यम से ऑनलाईन करने की सुविधा दी गयी है तथा विभिन्न योजनाओं में डीबीटी के माध्यम से श्रमिकों को लाभान्वित किया जा रहा है।

श्रमिक सहायता केन्द्र 24×7 संचालित

श्रमिकों के हितलाभ संरक्षण, सहायता एवं उनके शिकायतों के निराकरण करने के लिए राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री श्रमिक सहायता केन्द्र (Helpline Center) रायपुर में 24×7 संचालित है। प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय तथा समस्त विकासखंडों में मुख्यमंत्री श्रम संसाधन केन्द्र संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से 31 जुलाई 2025 तक 84 हजार 810 निर्माण श्रमिकों को पंजीयन एवं योजनाओं के आवेदन में सहयोग प्रदान किया गया है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अंतर्गत विभिन्न श्रम कानूनों के अंतर्गत कारखानों, दुकान व स्थापनाओं, ठेकेदारों आदि का पंजीयन, नवीनीकरण, संशोधन तथा विभाग अंतर्गत गठित मंडलों में श्रमिकों के पंजीयन, नवीनीकरण, संशोधन तथा योजनाओं हेतु आवेदन/स्वीकृति विभागीय वेब पोर्टल एवं श्रमेव जयते मोबाईल एप के माध्यम से ऑनलाईन की जा रही है। साथ ही विभिन्न श्रम अधिनियमों के अंतर्गत पंजियों/अभिलेखों को ऑनलाईन डिजिटल रूप में संधारित करने तथा एकीकृत वार्षिक विवरणी ऑनलाईन प्रस्तुत करने की सुविधा नियोजकों को प्रदान की गई है।

52 लाख 75 हजार 618 संगठित/निर्माण/असंगठित श्रमिक पंजीकृत

31 जुलाई, 2025 तक छग श्रम कल्याण मंडल अंतर्गत 5 लाख 41 हजार 920 संगठित श्रमिक, छग भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत 30 लाख 21 हजार 624 निर्माण श्रमिक तथा छग असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल अंतर्गत 17 लाख 12 हजार 074 असंगठित श्रमिक पंजीकृत हैं। इस प्रकार विभाग अंतर्गत संचालित मंडलों में कुल 52 लाख 75 हजार 618 संगठित, निर्माण, असंगठित श्रमिक पंजीकृत हैं। राज्य स्थापना के बाद से 57 लाख 24 हजार 745 श्रमिकों को 23 अरब 70 करोड 24 लाख 56 हजार 757 रूपये से लाभांवित किया गया। छ0ग0 श्रम कल्याण मंडल में 80 लाख 713 संगठित श्रमिक को 31 जुलाई, 2025 तक राशि रूपये 26 करोड 56 लाख 2 हजार 131 से, छ0ग0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल में 51 लाख 72, हजार 579 निर्माण श्रमिकों को राशि रूपये 19 करोड़ 82 लाख 69 लाख 48 हजार 448 तथा छ0ग0 असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल में 4 लाख 71 हजार 453 अंगठित कर्मकारों को राशि रूपये 3अरब 60 करोड़ 99 लाख 06 हजार 178 से इस प्रकार राज्य स्थापना के बाद से कुल 57 लाख 24 हजार 745 श्रमिकों को राशि रूपये 23 अरब 70 करोड़ 24 लाख 56 हजार 757 (तेईस अरब सत्तर करोड़ चौबीस लाख छप्पन हजार सात सौ सात रूपये) से लाभांवित किया गया है।

निर्माण श्रमिकों के लिये पेंशन योजना

60 वर्ष आयु पूर्ण कर चुके पंजीकृत निर्माण श्रमिक, जिनका मंडल में 10 वर्ष पूर्व का पंजीयन हो, ऐसे 37 निर्माण श्रमिकों को प्रतिमाह रूपये 1500/- पेंशन योजना से लाभांवित किया जा रहा है। शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना इस योजना अंतर्गत पंजीकृत निर्माण, असंगठित एवं संगठित श्रमिकों को रूपये 05 में गरम एवं पौष्टिक भोजन प्रदाय किया जा रहा है। प्रदेश के 17 जिलों में 37 श्रम अन्न योजना केन्द्र संचालित है, जिसमें प्रतिदिन लगभग 8 हजार श्रमिक गरम भोजन प्राप्त करे रहें है।

संचालनालय, कर्मचारी राज्य बीमा सेवायें

कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अंतर्गत कर्मचारी राज्य बीमा योजना, राज्य निर्माण के समय श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदाय करने वाली यह योजना केवल कारखानों, सिनेमाघरों, ट्रांसपोर्ट, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर लागू थी। राज्य निर्माण के पश्चात इस योजना में निजी सहायता प्राप्त शैक्षणिक एवं निजि चिकित्सा संस्थाओं तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित नगर निगमों, नगर पालिकाएं, नगर परिषद् एवं अन्य स्थानीय निकाय पर भी लागू की गई है।

नि:शुल्क चिकित्सा हित लाभ

छ.ग. राज्य गठन के उपरांत कर्मचारी राज्य बीमा योजना का विस्तार छ.ग. राज्य के 15 जिलों के सम्पूर्ण क्षेत्र तथा 17 जिलों के नगरीय निकाय क्षेत्रों में किया गया है। कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 के अंतर्गत छ.ग. राज्य निर्माण के पूर्व लगभग 30 हजार कामगार बीमित होकर राज्य के संचालनालय, कर्मचारी राज्य बीमा सेवायें के अंतर्गत संचालित औषधालयों के माध्यम से नि:शुल्क चिकित्सा हितलाभ प्राप्त कर रहे थे, जो कि अब बढ़कर लगभग 6 लाख 25 हजार हो गये हैं।

राज्य निर्माण के पूर्व छ.ग. राज्य में केवल 6 औषधालय संचालित थी जो अब बढ़कर 42 हो गई है। बीमित हितग्राहियों को बेहतर चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराने के लिये राज्य के रायपुर, कोरबा, भिलाई तथा रायगढ़ में एक-एक 100 बिस्तरयुक्त चिकित्सालय का निर्माण कर्मचारी राज्य बीमा निगम के द्वारा किया गया है।

बीमित हितग्राहियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधायें

राज्य निर्माण के पूर्व बीमित हितग्राहियों को अंत:रोगी उपचार पर होने वाले व्यय का वहन पहले स्वयं करना पड़ता था फिर वे चिकित्सा पुर्नभुगतान हेतु अपना देयक प्रस्तुत करते थे। राज्य निर्माण के पश्चात् वर्ष 2014 में बीमित हितग्राहियों को कैशलेस आधार पर सेकेण्डरी केयर चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराने के लिये निजी चिकित्सालयों को अधिकृत किया गया है। अधिकृत किये गये चिकित्सालयों में बीमित हितग्राहियों को कैशलेस अधार पर सेकेण्डरी केयर चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही है।

बीमित हितग्राहियों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा उनके प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ कर्मचारी राज्य बीमा सोसायटी का गठन वर्ष 2018 में किया गया है, जिसका लाभ पंजीकृत श्रमिक उठा रहे हैं।

-जनसंपर्क, छत्तीसगढ़ शासन

श्रमिक परिवारों के बच्चों के लिये अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना

मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा एवं श्रम मंत्री के निर्देशानुसार पंजीकृत निर्माण श्रमिक परिवारों के बच्चों को उत्कृष्ट निजी शालाओं में नि:शुल्क अध्ययन कराये जाने हेतु छ0ग0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना 08.जनवरी 2025 से प्रारंभ की गई है। योजना के तहत मंडल में 01 वर्ष पूर्व पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के प्रथम 02 बच्चों को कक्षा 6 वीं में प्रवेश दिया जाकर कक्षा 12 वीं तक आवासीय विद्यालयों में वर्तमान में 100 श्रमिकों के बच्चों को विभिन्न विद्यालयों में प्रवेश दिया जाकर गुणवत्तायुक्त नि:शुल्क शिक्षा प्रदान किया जा रहा है। निर्माण श्रमिकों के स्वयं के आवास क्रय एवं आवास निर्माण हेतु एक लाख रूपये एकमुश्त अनुदान सहायता राशि प्रदाय किया जा रहा है। 31 जुलाई 2025 तक 2 हजार 278 निर्माण श्रमिकों को नवीन आवास क्रय/आवास निर्माण हेतु अनुदान सहायता राशि प्रदाय किया जा चुका है।

ई-गवर्नेस के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार

भारत सरकार कार्मिक, लोक शिकायत मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा छ0ग0 शासन श्रम विभाग को 2020-21 हेतु 'ई-श्रमिक सेवा' सहित सार्वभौमिक पहुंच हेतु 'ई-गवर्नेस के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' रूपये 02 लाख पुरस्कार राशि के साथ गोल्ड पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रवासी श्रमिकों के हित संरक्षण, कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विभागों के समन्वय से दिनांक 19 जुलाई 2021 से छ0ग0 राज्य प्रवासी श्रमिक नीति, 2020 लागू किया गया है, जिसमें पलायन पंजी के ऑनलाईन संधारण की व्यवस्था की गई है।

सबसे पहले
लाइफ इंश्योरेंस
जीवन के साथ भी
जीवन के बाद भी...
एलआईसी का
जीवन उत्सव
उत्सव मनाने का गारंटीड तरीका
Plan No.: 871
UIN: 512N363V01
आजीवन गारंटीड रिटर्न
के साथ
ऑनलाइन भी उपलब्ध
पूर्ण आयु जीवन बीमा एवं लाभ भुगतान के विकल्प
सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि 5 से 16 वर्ष
प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान गारंटीकृत वृद्धि
नियमित आय लाभ / फ्लेक्सी आय लाभ
न्यूनतम मूल बीमा राशि 5 लाख
एक नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग, व्यक्तिगत, बचत, पूर्ण आयु जीवन बीमा योजना
एलआईसी है तो कहीं और क्यों जाना...
सभी नई पॉलिसियों की अधिक जानकारी के लिए आज ही संपर्क करें-
सालिक राम राजवाड़े
(बीमा अभिकर्ता)
वेदांत बीमा सेवा केंद्र
कार्यालय : प्रेस क्लब तिलक भवन के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
निवास : सत्यनारायण मंदिर के पास, पोड़ी बहार कोरबा, मो.नं.-90987-52955
LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
हर पल आपके साथ

कलेक्टर की संवेदना की कीर्ति दूर तलक पहुंची

जिला पंचायत अध्यक्ष की पहल पर कलेक्टर ने दी गरीब मेडिकल छात्रा की फीस, गरीब बेटी का सपना होगा साकार

हेमलता सोरठे ने कहा - डाक्टर बनने के बाद सबसे पहले खुशखबरी सुनाने कलेक्टर सर के पास जाऊंगी

कोरबा/पसान (दिव्य आकाश)।

कोरबा की ऊर्जा पूरे देश में फैल रही है और जिस तरह कोरबा ऊर्जावान है, वहीं यहां की प्रतिभाएं भी देश के अन्य कोने से कहीं अधिक है, लेकिन आर्थिक विपन्नता तले दबे गरीब परिवार की प्रतिभाएं गांव में ही दब जाती हैं। किसी किसी की किस्मत तब चमक जाती है, जब उन्हें जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह जैसे जनप्रतिनिधि मिल जाएं और कलेक्टर अजीत बसंत जैसे संवेदनशील अधिकारी।

कुछ दिन पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह अपने गृह ग्राम तुमान के निज निवास पर बैठे थे और कुछ ग्रामीण भी अपनी मांगों को लेकर रोजाना की तरह डॉ. पवन सिंह के पास पहुंचे थे। एक ग्रामीण दो-तीन दिन से डॉ. पवन सिंह के आवास परिसर में सायकिल से आता और बिना कुछ कहे वापस चले जाता। तीन दिन से सायकिल सवार इस ग्रामीण को डॉ. पवन सिंह पहचानते नहीं थे, लेकिन लगातार तीन दिन से वह उनके घर आता, लेकिन बिना कुछ कहे चले जाता। तीसरे दिन डॉ. पवन ने लौट रहे ग्रामीण को रोका और हालचाल जाना। सहृदय डॉ. पवन की सरल व्यक्तित्व से ग्रामीण प्रभावित हुआ और अपनी कहानी बताई, तब पता चला कि वह ग्रामीण कोडगार निवासी शिवबालक सोरठे है, जो अत्यंत गरीब है और मात्र 88 डिसमिल खेतीहर भूमि की बदौलत जीवन यापन करता है। अपनी पुत्री हेमलता सोरठे के बारे में बताया और कहा कि बैंक से लोन लेकर अपनी मेडिकल छात्रा बेटी की फीस जमा किया, लेकिन इस वर्ष फीस पटाने के लिए कोई रास्ता नहीं दिख रहा है और फीस जमा न करने के कारण उसकी बेटी को मेडिकल कॉलेज में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है।

गरीब शिवबालक सोरठे की करूण कहानी सुनकर डॉ. पवन सिंह मेडिकल छात्रा हेमलता सोरठे और उसके पिता शिवबालक सोरठे को लेकर कलेक्टर अजीत बसंत के पास पहुंचे।

कलेक्टर अजीत बसंत ने छात्रा हेमलता से कुछ सवाल पूछे, गरीब लेकिन प्रतिभाशाली हेमलता के जवाबों से कलेक्टर प्रभावित हुए और उनकी स्थिति को देखते हुए शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय महासमुंद में उसकी पूरी फीस लगभग रूपए 7,81,000 (सात लाख एक्यासी हजार रुपए) माफ करने का निर्णय लिया और पूरी फीस कोरबा प्रशासन से देने का निर्णय लिया।

इस निर्णय से हेमलता और उसके परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

दिनांक 26 अक्टूबर 2025 को डॉ. पवन सिंह स्वयं ग्राम कोडगार पहुंचकर हेमलता सोरठे के घर गए। उन्होंने दीपावली की शुभकामनाओं के साथ छात्रा को बधाई दी और उपहार भी भेंट किया।

तो वह क्षण भी हमारे लिए गर्व का होगा- डॉ पवन

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने कहा - गरीब और प्रतिभाशाली बच्चों के सपनों को उड़ान देना ही हमारी असली जिम्मेदारी है। शिक्षा ही वह साधन है, जिससे हर परिवार का भविष्य बदल सकता है। मेरी पहल से कलेक्टर साहब ने संवेदना दिखाई और हेमलता की सहायता कर उसके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया। कलेक्टर साहब की सहायता से अब एक गरीब बेटी डॉक्टर बन सकेगी, यह हमारे लिए भी गौरव का क्षण होगा।

डाक्टर बनकर सबसे पहले कलेक्टर साहब को खुशखबरी सुनाऊंगी- हेमलता

कलेक्टर अजीत बसंत की मानवीय संवेदनाओं और गरीब प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की ललक ने मुझे हौसला दिया और कलेक्टर साहब के कारण मैं डाक्टर बन कर अपना और अपने परिवार का सपना पूरा कर सकूंगी। डाक्टर की पढ़ाई पूरी करने के बाद सबसे पहले मैं कलेक्टर साहब के पास जाऊंगी, चाहे वे कहीं भी हों। मैं डॉ. पवन भैय्या का भी आभारी रहुंगी, जिन्होंने मुझे स्वर्णीम भविष्य की राह दिखाई और पहल कर कलेक्टर साहब तक हमारी आवाज पहुंचाई। डॉक्टर बनने के बाद मैं भी किसी गरीब की सहायता कर सकूं, तो यह कलेक्टर साहब की जीत होगी।

छठ महापर्वः सप्तमी पर तुलसीनगर छठ घाट में श्रद्धा का सैलाब, उदीयमान सूर्य को दिया अर्ध्य

विकास अग्रवाल के सौजन्य से व्रतियों का किया गया सम्मान, चरण स्पर्श कर लिया आशीर्वाद

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कार्तिक शुक्ल सप्तमी को सूर्य की लालिमा के साथ ही सप्तमी की चमक जिले के छठ घाटों में श्रद्धा के साथ दिखी। कोरबा शहर के तुलसीनगर छठ घाट में छठ महापर्व के अंतिम दिन सप्तमी पर अर्ध्य देने श्रद्धा का सैलाब देखने को मिला। अलसुबह 4.00 बजे से ही व्रती, पूर्वांचलवासी सहित क्षेत्र के नागरिक तुलसी छठ घाट पहुंचे और सप्तमी पर छठ मैय्या की पूजा-अर्चना कर जैसे ही आसमान में सूर्य की लालिमा दिखी, प्रवाहित नहर में उतर कर भगवान सूर्य को अर्ध्य दिया।

उगते सूरज को दिया अर्ध्य

पूर्वांचल वासियों ने भगवान सूर्य के उदीयमान स्वरूप का दर्शन किया और प्रवाहित नहर के जल में उतरकर भगवान सूर्य को सप्तमी का अर्ध्य दिया। सभी की खुशहाली और मंगलकामनाओं का यह महापर्व आज सम्पन्न हो गया।

उपस्थित जनों को प्रसाद का वितरण किया गया और सभी की मंगलकामनाओं को हृदय में रखकर सब अपने घर की ओर प्रस्थान किए।

रौशनी से जगमग था तुलसीनगर छठ घाट

तुलसीनगर छठ घाट समिति द्वारा इस बार भी तुलसीनगर छठ घाट को रौशनी से सजाया गया था। चारों तरफ सत्व का उजास रौशनी बिखेर रहा था। व्रती महिलाएं एवं पुरूष पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर सूप में प्रसाद और छठ मैय्या की पूजन सामाग्री ले कर छठ मैय्या की पूजा-अर्चना की। सप्तमी पर छठ महापर्व का उल्लास हर किसी के चेहरे में देखने को मिल रहा था।

दीपों की जगमग से घाट भी रौशन हो रहा था। छठ मैय्या की जय, भगवान सूरज देव की जय का नारा गूंज रहा था, पारंपरिक छठ गीतों से परिसर गूंजायमान हो रहा था। पंडित के दिव्य मंत्रोच्चार से सत्व की गूंज चारों तरफ फैल रही थी। सूर्य की किरणें छठी मैय्या का स्वागत करने के लिए आतुर दिख रही थी और आसमान की सुनहरी किरणों से धरती का आभा निखर रहा था। धीरे-धीरे सूरज की किरणें धूप में बदलने लगी और सप्तमी का यह पावन दिन सूर्य के अर्ध्य के साथ छठ महापर्व के सम्पन्न होने का अवसर बता रहा था।

छठ मैय्या की पूजा-अर्चना कर कोरबा के लिए समृद्धि की कामना

सप्तमी पर सूर्य को अर्ध्य देने के पूर्व श्रीमती गायत्री अग्रवाल, ऋतु चौरसिया, आरती अग्रवाल, विकास अग्रवाल, शत्रुहन शर्मा सहित जनप्रतिनिधि, नेतागण, समाजसेवी एवं उपस्थित दिग्गजों ने छठी मैय्या की पूजा-अर्चना की और कोरबा की समृद्धि के लिए कामना करते हुए प्रार्थना की।

सिंदूर दान से सौभाग्य की कामना

पूर्वांचल वासियों की पुरातन परंपरा के अनुसार व्रती महिलाओं ने सौभाग्यवती महिलाओं के मांग में सिंदूर दान किया और सौभाग्य की कामना की। पूर्व पार्षद श्रीमती आरती अग्रवाल ने अपनी सासुमाता के मांग में सिंदूर दान किया और पांव पखार कर सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त किया। वरिष्ठ व्रती महिलाओं ने उपस्थित महिलाओं को सिंदूर दान किया। पार्षद मथुरा बाई चंद्रा ने भी सभी को सप्तमी पर छठ महापर्व की बधाई दी और वरिष्ठ व्रती महिलाओं से आशीर्वाद लिया। विकास अग्रवाल ने भी सभी व्रती महिलाओं का सम्मान करते हुए चरण स्पर्श किया और आशीर्वाद लिया।

भव्यता, दिव्यता और मंगलकामनाओं के साथ छठ महापर्व का यह पावन पर्व सम्पन्न हुआ और कार्यक्रम के अंत तक विकास अग्रवाल-आरती अग्रवाल ने सभी का अभिवादन और धन्यवाद के लिए छठ घाट में डटे रहे।

छठ महापर्व के आयोजन में इनकी भी रही भूमिका

तुलसीनगर छठ घाट में आयोजित छठ महापर्व के इस उल्लास को दिव्यता और भव्यता देने में पूर्वांचल छठ पूजा समिति तुलसीनगर कोरबा के संरक्षक विकास अग्रवाल के साथ अध्यक्ष शत्रुहन शर्मा, सचिव विवेक तिवारी, उपाध्यक्ष मंजित सिंह, सलाहकार पारस सिंह, सूरज पाण्डेय, सदस्यगण- सुरेश चंद्रा, दिनेश तिवारी, विजेंद्र गिरी, अरविंद गोस्वामी, तारकेश्वर शर्मा, अशोक मिश्रा, तारकेश्वर तिवारी सहित अन्य सदस्यों का योगदान महत्वपूर्ण रहा।

व्रतियों का सम्मान एवं वस्त्र वितरण

पूजा-अर्चना के बाद व्रतियों का पूर्व पार्षद श्रीमती आरती अग्रवाल एवं विकास अग्रवाल ने व्रतियों का सम्मान किया और वस्त्र वितरण कर चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। विकास अग्रवाल की माताश्री श्रीमती गायत्री देवी अग्रवाल, भाजपा प्रदेश मंत्री सुश्री ऋतु चौरसिया, पार्षद मथुरा बाई चंद्रा सहित पूर्वांचल के वरिष्ठ सदस्यों, तुलसीनगर छठ समिति के अध्यक्ष शत्रुहन शर्मा के हाथों व्रतियों का सम्मान कराया गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विकास अग्रवाल ने सभी व्रतियों का सम्मान किया। तुलसीनगर छठ घाट में समिति द्वारा यह 15वां आयोजन था और भव्य तथा दिव्य ढंग से छठ का महापर्व यहां सम्पन्न हुआ।

वार्ड क्रमांक 15 में सड़क मरम्मत एवं गौर चौक कार्य का भूमि पूजन संपन्न,8 लाख की लागत से होगा निर्माण कार्य

कोरबा (दिव्य आकाश)।

नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 15 अंतर्गत झरनापारा में सड़क मरम्मत कार्य का भूमि पूजन संपन्न हुआ। गौर चौक व साहू मोहल्ला मे बनने वाली सडक़ के इस कार्य की लागत लगभग 8 लाख रुपये आंकी गई है। भूमि पूजन कार्यक्रम का शुभारंभ वार्ड पार्षद श्रीमती प्रेमलता बंजारे के करकमलों से किया गया। इस अवसर पर वार्ड के पूर्व पार्षद अविनाश बंजारे सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने वार्ड में हो रहे विकास कार्यों को लेकर प्रसन्नता जताई। इस अवसर पर वार्ड पार्षद श्रीमती प्रेमलता बंजारे ने कहा कि नगर निगम के सहयोग से क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं में लगातार सुधार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गौर चौक एवं साहू मोहल्ला की सडक़ लंबे समय से जर्जर स्थिति में थी, जिससे लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। सड़क मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद नागरिकों को सुगम यातायात की सुविधा मिलेगी।

पार्षद ने आगे कहा कि सड़क के अलावा वार्ड में नाली निर्माण, सामुदायिक भवन निर्माण तथा अन्य विकास कार्यों के लिए भी नगर निगम में प्रस्ताव भेजे गए हैं। इन कार्यों की स्वीकृति मिलते ही शीघ्र ही निर्माण शुरू किया जाएगा। उन्होंने वार्डवासियों को भरोसा दिलाया कि वार्ड की हर समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

प्रज्ञा संजीवनी : वन औषधालय पाली द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर में सैकड़ों लोगों ने लिया लाभ

मुख्य अतिथि कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने कहा- पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को मिले बढ़ावा

पाली (दिव्य आकाश)।

विश्व के प्रथम चिकित्सक भगवान धनवंतरी जयंती पर प्रज्ञा संजवनी वन औषधालय नया बस स्टैण्ड पाली द्वारा विशाल चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया, जिसमें सैकड़ों लोग लाभान्वित हुए। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, संचालक वैद्यराज रामफल पटेल, उपस्थित चिकित्सक डॉ. लक्की एवं डॉ. हरधर सहित अतिथियों ने भगवान धनवंतरी की पूजा अर्चना की। मुख्य अतिथि प्रेमचंद पटेल ने शिविर का शुभारंभ किया और कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आयोजक रामफल पटेल की प्रशंसा करते हुए कहा कि वैद्यराज रामफल पटेल ने पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को काफी आगे बढ़ाया और वैद्यराज रामफल की कीर्ति दूर-दूर तक फैल रही है। उन्होंने बताया कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धति से कैंसर जैसे रोगों में भी लाभ मिलता है। वाकई में श्री पटेल के हाथों में ऐसा जस है, जिससे अब तक हजारों मरीज कठिन बीमारियों से मुक्त होकर खुशहाल जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को आगे बढ़ाने की जरूरत है। रामफल वैद्य

होने के साथ-साथ गायत्री परिवार से जुड़कर क्षेत्र में नशामुक्ति का अभियान चलाकर क्षेत्र में जागरूकता फैला रहे हैं। इसके अलावा वे नवाचार के माध्यम से 500 किसानों को जोड़कर हर्बल धान का उपार्जन कर रहे हैं, ताकि रासायनिक खेती का दुष्प्रभाव कम हो सके। रामफल पटेल ने उपस्थित अतिथियों सहित सेवा देने वाले डाक्टर लक्की, डा. हलधर और उपस्थित ग्रामीणों का आभार जताया। दवाई का भी वितरण किया गया।

नियमों के पालन पर अडिग बालको, आवास खाली पर अब कोई समझौता नहीं

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

बालको सेवानिवृत्त मैत्री संघ, कोरबा ने हाल ही में नवनिर्मित बालको सेवानिवृत्त कर्मचारी संगठन (बीएसकेएस) द्वारा 29 अक्टूबर 2025 को लगाए गए जबरदस्ती क्वार्टर खाली कराने के आरोपों को पूरी तरह भ्रामक, तथ्यहीन और गलत बताया है। संघ ने कहा कि बालको प्रबंधन सदैव अपने कर्मचारियों और सेवानिवृत्त साथियों के प्रति सम्मानजनक और मानवीय दृष्टिकोण रखता आया है। संगठन ने सभी से कंपनी के नियमों और अनुशासन का सम्मान करते हुए सहयोग बनाए रखने की अपील की, ताकि परिसर में बालको की परंपरा और सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहें।

मिली जानकारी के अनुसार, जनप्रतिनिधियों के आग्रह पर बालको प्रबंधन ने स्वयं 31 अक्टूबर तक किसी भी प्रकार की कार्रवाई को स्थगित रखा और सभी सुविधाएँ यथावत बनाए रखीं। कंपनी का उद्देश्य किसी भी सेवानिवृत्त कर्मचारी को परेशान करना नहीं है, बल्कि कंपनी की संपत्तियों (क्वार्टर/आवासों) का नियमानुसार पुनः अधिग्रहण करना है, ताकि उन्हें वर्तमान पात्र कर्मचारियों को आवंटित किया जा सके।

बालको सेवानिवृत्त मैत्री संघ ने किया कार्यवाही का समर्थन

बालको सेवानिवृत्त मैत्री संघ, कोरबा, जो बालको के पूर्व कर्मचारियों का सबसे पुराना और सक्रिय संगठन है, सदैव कंपनी और सेवानिवृत्त साथियों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने में अग्रणी रहा है। संगठन के संयोजक जे.के. तिवारी ने बीएसकेएस के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि आवास बालको कर्मचारियों के लिए ही हैं। कंपनी के नियमानुसार, कर्मचारियों को सेवानिवृत्त होने के उपरांत तय समयावधि में आवास खाली कर देना चाहिए। बालको अपने सभी पूर्व और वर्तमान साथियों को परिवार का अभिन्न हिस्सा मानती है और उनके कल्याण एवं गरिमा की रक्षा के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों और नागरिकों से अपील की कि वे नियमों का पालन करें। प्रबंधन ने कहा सेवानिवृत्त कर्मचारी का पीएफ और अन्य भुगतान तुरंत किया जा रहा है। आवास की कमी से मौजूदा कर्मचारी परेशान हैं।

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस का रजत जयंती वर्ष (25 वर्ष)

जल संसाधन विभाग की 25 वर्षों में विकास की धारा : हर खेत तक पहुंचा पानी, हर किसानों के चेहरों में आई मुस्कान

पानी से समृद्धि तक, बढ़ी सिंचाई क्षमता और सशक्त हुआ ग्रामीण विकास का आधार

कोरब (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती वर्ष समूचे प्रदेश के लिए गर्व और उपलब्धियों के उत्सव का अवसर लेकर आया है। शुरुआती दौर में राज्य ने अपनी ऐतिहासिक यात्रा आरंभ की थी, तब विकास की राह अनेक चुनौतियों से घिरी हुई थी। सीमित संसाधन एवं अधोसंरचना की कमी के बीच राज्य ने दृढ़ संकल्प, जनसहभागिता और समर्पित नेतृत्व के बल पर निरंतर आगे बढ़ने का संकल्प लिया। आज, 25 वर्षों के इस गौरवशाली सफर में छत्तीसगढ़ ने उद्योग, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता, ग्रामीण विकास और जल संसाधन जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति कर देश के विकसित और उन्नतिशील राज्यों की श्रेणी में अपना स्थान सशक्त किया है। यह रजत जयंती वर्ष केवल बीते वर्षों की उपलब्धियों का स्मरण भर नहीं, बल्कि एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की दिशा में नई ऊर्जा का प्रतीक है।

25 वर्षीय सफर में जल संसाधन विभाग का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। जल ही जीवन और कृषि का आधार है, और छत्तीसगढ़ जैसे कृषिप्रधान राज्य में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ साबित हुआ है। कोरबा जिला, जो अपनी भौगोलिक विविधता और औद्योगिक पहचान के लिए जाना जाता है, यहाँ जल संसाधन विभाग ने वर्ष 2000 से लेकर 2025 तक अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की है। वर्ष 2000 में जब छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना हुई, उस समय कोरबा जिले में सिंचाई की स्थिति बहुत सीमित थी। जिनमें जलाशय, व्यपवर्तन और उद्वहन जैसी योजनाएँ सम्मिलित थीं। इन योजनाओं के माध्यम से खरीफ और रबी दोनों मौसमों में मिलाकर लगभग दस हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा रही थी। ग्रामीण अंचलों में वर्षा पर निर्भर खेती प्रचलित थी और सीमित सिंचाई व्यवस्था के कारण किसानों को फसलों की उत्पादकता में कठिनाइयाँ आती थीं।

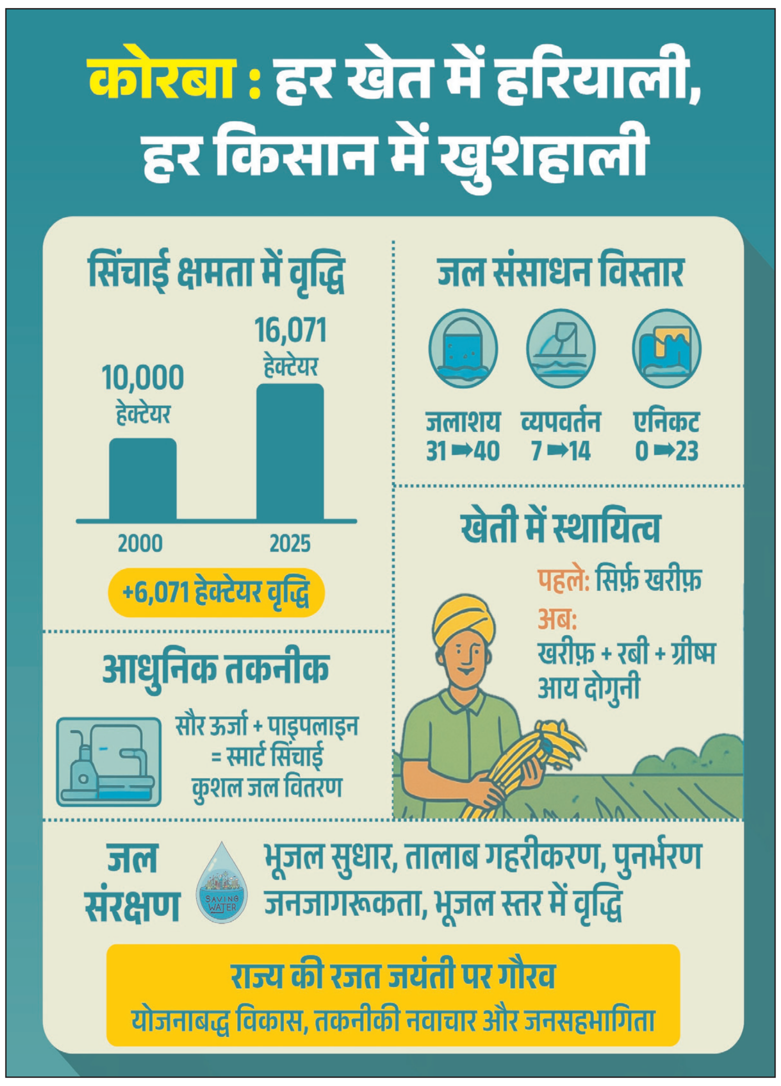

राज्य गठन के पश्चात सरकार ने जल संसाधन के विकास को अपनी प्राथमिकता में रखा। ग्रामीण क्षेत्रों में जल भंडारण और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए कई योजनाएँ लागू की गईं। जलाशयों के निर्माण, नहरों के जीर्णोद्धार, व्यपवर्तन परियोजनाओं के विस्तार तथा एनिकट निर्माण जैसे कार्यों को निरंतरता से आगे बढ़ाया गया। इन योजनाओं ने न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा दिया, बल्कि जल के समान वितरण को भी सुनिश्चित किया। आज, जब राज्य अपनी रजत जयंती मना रहा है, कोरबा जिले का जल संसाधन विभाग इस बात का उदाहरण बन चुका है कि योजनाबद्ध प्रयास और कार्यशैली किस प्रकार जनहित में ठोस परिणाम दे सकते हैं। इनमें जलाशय, व्यपवर्तन और एनिकट योजनाएँ प्रमुख हैं। इन सभी योजनाओं के माध्यम से अब खरीफ और रबी दोनों मौसमों में मिलाकर लगभग साढ़े सोलह हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो रही है। यह आंकड़ा वर्ष 2000 की तुलना में 6071 हेक्टेयर की वृद्धि को दर्शाता है, जो विभाग की निष्ठा और राज्य शासन की दूरदर्शी नीतियों का परिणाम है।

वर्ष 2000 में कोरबा जिले में जलाशयों की संख्या मात्र 31 थी, जिनसे खरीफ में लगभग 7365 हेक्टेयर और रबी में 294 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई की जाती थी। आज यही संख्या बढ़कर 40 जलाशयों तक पहुँच चुकी है, जिनसे खरीफ में 9135 हेक्टेयर और रबी में 326 हेक्टेयर भूमि सिंचित हो रही है। व्यपवर्तन परियोजनाओं की संख्या भी इस अवधि में 7 से बढ़कर 14 हो गई है, जिससे खरीफ और रबी दोनों मौसमों में लगभग 5790 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो रही है। इसी प्रकार, वर्ष 2000 में जिले में एक भी एनिकट योजना नहीं थी, जबकि अब 23 एनिकट योजनाएँ निर्मित हो चुकी हैं, जिनसे लगभग 1256 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा प्राप्त हो रही है।

इन आँकड़ों से स्पष्ट है कि पिछले 25 वर्षों में जिले की सिंचाई क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। अकेले जलाशयों से 1802 हेक्टेयर, व्यपवर्तन परियोजनाओं से 3013 हेक्टेयर और एनिकट योजनाओं से 1256 हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षेत्र विकसित हुआ है। इससे न केवल खेती का रकबा बढ़ा है, बल्कि किसानों के लिए नई संभावनाएँ भी खुली हैं। जहाँ पहले केवल खरीफ फसलें बोई जाती थीं, वहीं अब रबी और ग्रीष्मकालीन फसलों की खेती भी संभव हो सकी है। जल संसाधन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं ने कोरबा के किसानों को आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर किया है। पहले जहाँ वर्षा पर निर्भरता के कारण फसलों की पैदावार अस्थिर रहती थी, वहीं अब पर्याप्त जल उपलब्धता से उत्पादन में स्थायित्व आया है। इससे किसानों की आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है और ग्रामीण जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव देखा गया है। गाँवों में कृषि आधारित रोजगार सृजन बढ़ा है तथा जल संरक्षण की संस्कृति विकसित हुई है।

इन उपलब्धियों के पीछे राज्य शासन की दूरदर्शी नीतियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। बीते वर्षों में शासन ने कई पहलें लागू कीं। इन योजनाओं ने न केवल जल संरक्षण को प्रोत्साहित किया बल्कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से जल उपयोग दक्षता भी बढ़ाई। पाइपलाइन आधारित वितरण प्रणाली और सौर ऊर्जा संचालित पंपों के माध्यम से पानी की आपूर्ति को अधिक सुगम बनाया गया है। विभाग ने जल संसाधन प्रबंधन में पारंपरिक अनुभव और आधुनिक तकनीक का संतुलित उपयोग किया है। जिन क्षेत्रों में जल की कमी थी, वहाँ जल पुनर्भरण के उपाय अपनाए गए हैं। तालाबों और नहरों का गहरीकरण कर उनकी भंडारण क्षमता में वृद्धि की गई है। इससे भूजल स्तर में भी सुधार हुआ है। इसके साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के प्रति जनजागरण अभियान चलाए गए, जिससे लोगों में जल के महत्व और इसके विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ी है।

राज्य शासन की यह सोच रही है कि हर खेत तक पानी पहुँचे और हर किसान को सिंचाई की सुविधा मिले। इसी दिशा में कोरबा जिले में विभाग ने निरंतर कार्य किया है। अब जिले के अनेक ग्रामों में किसानों को वर्षभर सिंचाई सुविधा उपलब्ध है, जिससे दोहरी फसलें लेने की परंपरा विकसित हो रही है। यह परिवर्तन केवल कृषि उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिली है। जल संसाधन के बेहतर प्रबंधन ने किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है और कृषि को एक लाभकारी व्यवसाय के रूप में स्थापित किया है। राज्य स्थापना के आरंभिक वर्षों में जहाँ विभाग के पास सीमित संसाधन और साधन थे, वहीं अब विभाग तकनीकी दृष्टि से सशक्त और योजनाबद्ध रूप में कार्य कर रहा है।

आज जब राज्य अपने 25 वर्षों की उपलब्धियों पर गर्व कर रहा है, तब जल संसाधन विभाग, कोरबा की यह यात्रा प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करती है। यह केवल आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि उस सामूहिक प्रयास की गाथा है जिसमें सरकार, विभागीय कर्मचारी और किसान ने मिलकर विकास को साकार किया। यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि योजनाबद्ध विकास, जनसहभागिता और तकनीकी नवाचार के संगम से किसी भी क्षेत्र में समृद्धि लाई जा सकती है। रजत जयंती वर्ष में जल संसाधन विभाग, कोरबा का यह योगदान न केवल जिले के लिए बल्कि पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है। विभाग ने यह साबित किया है कि जल का प्रबंधन केवल संसाधन नहीं, बल्कि समाज की समृद्धि का माध्यम है। 25 वर्षों की यह विकास यात्रा छत्तीसगढ़ के उज्जवल भविष्य की नींव को और मजबूत करती है, जहाँ हर खेत में हरियाली और हर किसान के चेहरे पर खुशहाली का उजाला है।

बस्तर में विद्युत क्रांति : 25 वर्षों में हर गांव तक पहुंची बिजली की रोशनी

बस्तर की पावन धरा अब सिर्फ जंगलों और आदिवासी संस्कृति की गवाह नहीं रह गई, बल्कि बिजली की रोशनी हर गांवों में पहुंची है। पिछले पच्चीस वर्षों में जगदलपुर ग्रामीण संभाग ने विद्युतीकरण के क्षेत्र में जो छलांग लगाई है, वह किसी क्रांति से कम नहीं है। वर्ष 2000 में जहां एक गांव तक बिजली पहुंचाना चुनौती थी, वहीं 2025 में हर मजरा-टोला, हर घर रोशनी से जगमगा रहा है। अब बस्तर जिले में विद्युतीकरण का स्तर सौ फीसदी हो चुका है। आदिवासी बहुल इस इलाके के लिए यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। गांव-गांव में फैले विद्युत सुविधा ने जनजीवन को आसान किया। खेती-बाड़ी के लिए सिंचाई में भी किसानों को बड़ी सहूलियत हो रही है।

दूरस्थ ग्रामीण इलाकों तक हो रहा उजियारा

कार्यपालन अभियंता जगदलपुर ग्रामीण संभाग पीके अग्रवानी ने बताया कि जगदलपुर ग्रामीण संभाग के 577 गांव और शहर क्षेत्र का एक गांव मिलाकर कुल 578 गांव अब पूरी तरह बिजली से जुड़ चुके हैं। मजरा-टोलों की संख्या जहां बस्तर में राज्य निर्माण के समय 3989 थी अब बढ़कर 5107 हो गई है, और इनमें से हर एक तक विद्युत की लाइनें पहुंच चुकी हैं।

यह बदलाव सिर्फ तारों और खंभों की कहानी नहीं, बल्कि बुनियादी ढांचे की लंबी कल्याणकारी क्रांति का परिणाम है। 33/11 केवी सब स्टेशनों की संख्या महज छह से बढ़कर 27 हो गई, जिनकी क्षमता 24 मेगावोल्ट एम्पीयर से छलांग लगाकर 138.70 मेगावोल्ट एम्पीयर तक जा पहुंच चुकी है। वहीं 11 केवी लाइनों का जाल 1390 किलोमीटर से बढ़कर 4850 किलोमीटर तक विस्तृत हो चुका है, जबकि कम वोल्टेज की लाइनें 2257 किलोमीटर से बढ़कर 6017 किलोमीटर तक पहुंच गई हैं।

इस सफर में चुनौतियां भी कम नहीं रहीं। इस दौरान झारा घाटी में माओवादियों ने बिजली के टावर को गिरा दिया था, जिसके कारण 20 दिनों से अधिक समय तक आधे से अधिक बस्तर संभाग में बिजली गुल की भयावह समस्या उत्पन्न हुई थी। उसके बाद फिर ब्लैक आउट हुआ था। इन विद्युत अवरोध की स्थिति को देखते हुए बस्तर के समीप परचनपाल में लगभग 450 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 400 केवी सब स्टेशन का निर्माण किया गया, जो क्षेत्रीय ग्रिड को मजबूत बनाते हुए बिजली की स्थिरता और गुणवत्ता सुनिश्चित कर रहा है। इसी क्रम में 132 केवी क्षमता का एक सब स्टेशन भी स्थापित की गई है, साथ ही 132 केवी लाइनें 180 किलोमीटर से 254 किलोमीटर तक विस्तारित हुई हैं। इन उच्च वोल्टेज सब स्टेशनों के साथ ट्रांसफॉर्मरों में नई क्षमताएं जुड़ी है और दो गुणा तीन सौ पंद्रह, दो गुणा एक सौ साठ और पांच गुणा चालीस मेगावोल्ट एम्पीयर-जो वोल्टेज ड्रॉप को कम कर बिजली की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार ला रही हैं।

इसके अतिरिक्त, 220 केवी और 33 केवी स्तर पर भी आधारभूत कार्य पूरे हो चुके हैं, जो दूरस्थ क्षेत्रों में भी निर्बाध और उच्च गुणवत्ता वाली विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कर रहे हैं। इन आंकड़ों के पीछे की वास्तविक स्थिति उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या है। वर्ष 2000 में जहां कुल उपभोक्ता 5380 थे, वहीं आज दो लाख 19450 घरों तक बिजली का मीटर लग चुका है। सामान्य उपभोक्ता 59000 से बढ़कर एक लाख 68 हजार हो गए हैं। विद्युत पंप उपभोक्ता 900 से 9083 हो गए हैं और बीपीएल उपभोक्ताओं की संख्या 30 हजार से बढ़कर एक लाख 14 हजार तक जा पहुंची है।

कार्यपालन अभियंता जगदलपुर ग्रामीण संभाग प्रदीप अग्रवानी के अनुसार यह चमत्कार केंद्र की सौभाग्य योजना और दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना सहित मुख्यमंत्री मजरा-टोला विद्युतीकरण योजना का नतीजा है। अब बस्तर में बिजली की कमी से न ही उद्योगों के विकास रुकेंगे और न ही सिंचाई रुकेगी और न ही गांव अंधियारे में रहेंगे। यह विकास बस्तर को आत्मनिर्भर बनाने के साथ पूरे छत्तीसगढ़ के लिए मिसाल बन रहा है। आने वाले वर्षों में नवीकरण ऊर्जा पर जोर के साथ यह रोशनी और दूर तक चमकेगी।

छत्तीसगढ़ में गांव-गांव बिछा सड़कों का जाल

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से राज्य में 25 वर्षों में बनी 40 हजार किमी सड़कें, राज्योत्सव में प्रधानमंत्री मोदी ने की राज्य में ग्रामीण सड़क निर्माण की सराहना

रायपुर।

छत्तीसगढ़ में पिछले 25 सालों में गांव-गांव में बिछे सड़कों के नेटवर्क ने राज्य के ग्रामीण इलाकों की काया पलट दी है। अब राज्य के गांवों में नई सड़कों से आ रहे बदलाव को महसूस किया जा सकता है। पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी ने देश के ग्रामीण इलाकों में बारहमासी सड़कों से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना 2000 में शुरूआत की। यह योजना देश के साथ ही राज्य के ग्रामीण इलाकों में परिवर्तनकारी सिद्ध हुई।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से राज्य में 25 वर्षों में बनी 40 हजार किमी सड़कें

छत्तीसगढ़ में इस योजना के जरिए लगभग 40 हजार किलोमीटर सड़कें बनायी जा चुकी है। राज्य निर्माण के पहले यहां सड़कों का औसत देश के पूर्वोत्तर राज्यों से भी नीचे था। उस समय यहां ग्रामीण क्षेत्रों में मात्र 4200 किलोमीटर सड़कें थी। इस स्थिति में यहां के लोगों के जीवन स्तर का अनुमान सहज रूप से लागाया जा सकता था। देश में जब यह योजना शुरू हुई तब ग्रामीण समृद्धि का नया दौर शुरू हुआ। सड़कें केवल आवागमन का जरिया नहीं बल्कि यह सामाजिक आर्थिक परिवर्तन का माध्यम भी है।

छत्तीसगढ़ में गांव-गांव बिछा सड़कों का जाल

वर्तमान में ग्रामीण सड़कों के मजबूत नेटवर्क ने सुशासन और आंत्योदय के सपने को पूरा करने का मजबूत आधार दिया है। आज छत्तीसगढ़ के किसान अपने खलिहानों से धान की फसल खरीदी केन्द्रों तक आसानी से पहुचा पार रहे है। ग्रामीण इलाकों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से आसानी से राशन पहुंच रहा है। आंगनवाड़ियों के पोषण आहार में गड़बडी जैसे मामले अब देखने को नहीं मिल रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बढ़ाने में भी सड़के मददगार सिद्ध हो रही है।

छत्तीसगढ़ में गांव-गांव बिछा सड़कों का जाल

सड़कों के लोगों में गतिशीलता बढ़ी है। लोग रोजगार और स्वरोजगार के नए नए माध्यमों को अपना रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में लोग पुराने दिनों को याद करते हुए बताते हैं कि गांव की सड़के बहुत दुरूह होती थी।

कई बार नदी नालों को पार कर एक गांव से दूसरे गांव तक जाना पड़ता था। इस योजना ने उन्हें नई ताकत दी है। अब सड़के डामरीकृत होने के साथ ही पुल पुलिए बनने से आवागमन सहज हुआ है।

छत्तीसगढ़ के शुरूआती 16 वर्षों में तेजी से ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ। लगभग 32 हजार किलोमीटर पक्की सड़कें और पुल-पुलिया बनायी गई। इन सड़कों के माध्यम से साढे 10 हजार से अधिक बसाहटों को जोड़ा गया। अब तक योजना में 40,415 किमी लंबी 8,310 सड़कों एवं 426 वृहद पुलों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। इस योजना मे दूसरे और तीसरे चरण में 10 वर्ष पुरानी सड़कों का मजबूतीकरण और उन्नयन का कार्य किया गया। इस चरण में कुल 5,583 किमी लंबाई की 534 सड़कों एवं 82 वृहद पुलों का निर्माण कार्य पूर्ण जा चुका है। स्वीकृत सभी परियोजनाएं शत-प्रतिशत पूर्ण की जा चुकी हैं।

राज्य के वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में नक्सली उन्मूलन की दिशा में इस योजना ने सार्थकता सिद्ध की है। इन क्षेत्रों में 12,459 किमी लंबाई की बनाई गई हैं। इससे 3,853 बसाहटें भी मुख्यधारा से जुड़ी । जिससे इन क्षेत्रों में आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा व्यवस्था को नया आयाम मिला है।

राज्योत्सव के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सराहना करते हुए कहा कि मैं राज्य निर्माण के पहले भी छत्तीसगढ़ आया करता था। उस समय गांवों तक पहुंच पाना बहुत मुश्किल होता था। कई गांवों में सड़क थे ही नहीं, 25 वर्षों में राज्य ने बहुत तरक्की की है। आज राज्य में 40 हजार किलोमीटर से अधिक लंबे सड़कों का जाल गांव गांव तक फैल गया है।

उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सड़कों से जुड़ते गांव और सशक्त होते ग्रामीण मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में छत्तीसगढ़ के सतत प्रयासों का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने बताया कि चौथे चरण में जनजातीय क्षेत्रों और विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल गांवों में 8 हजार से अधिक किलोमीटर सड़के बनाए जाने की योजना है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना, प्रधानमंत्री जनमन योजना और आकांक्षी जिलों की बसाहटों में सड़कें प्राथमिकता से बनायी जाएंगी।

राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित एनएसएस की छात्रा लेखनी साहू ने राज्यपाल से की सौजन्य भेंट

रायपुर/कोरबा (दिव्य आकाश)।

राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित कोरबा जिले के एनएसएस की छात्रा कुमारी लेखनी साहू ने आज राजभवन में राज्यपाल रमेन डेका से सौजन्य भेंट की। राज्यपाल ने लेखनी साहू के कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कुमारी लेखनी साहू को विगत 6 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया था। सुश्री लेखनी ने समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा जागरूकता और शासन की योजनाओं को आम जनता तक पहुँचाने जैसे कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई है।

राज्यपाल रमेन डेका ने उनसे उनके अनुभवों पर चर्चा की और कहा कि ऐसे युवा समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने लेखनी को सतत रूप से समाजसेवा के कार्यों में जुड़े रहने और दूसरों के लिए मिसाल बनने का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर छात्रा के परिजन भी उपस्थित थे।

अमित बघेल के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग को लेकर अग्रवाल समाज ने दर्री टीआई को सौंपा ज्ञापन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

जोहार छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ी क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष अमित बघेल द्वारा अग्रवाल समाज के अग्रज महाराजा अग्रसेन भगवान की मूर्ति को लेकर की गई अमर्यादित टिप्पणी को लेकर मचे बवाल के बीच दर्री - जमनीपाली अग्रवाल समाज के लोंगो ने नाराजगी जताई है और अमित बघेल के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग को लेकर दर्री थाना में शनिवार को ज्ञापन सौंपन सौंपा गया है ।

समाज के अध्यक्ष प्रेमकुमार अग्रवाल ने कहा कि अमित बघेल के इस अपमानजनक बयान से प्रदेश भर में अग्रवाल और सिंधि समाज में गहरी नाराजगी है । इस बयान से न केवल अग्रवाल व सिंधी समाज बल्कि पूरे हिंदु समाज की भावनाएं आहत हुई हैं, उनका कथन धार्मिक अराजकता फैलाने और आपसी भाईचारा को समाप्त करने की साजिश का हिस्सा माना जा सकता है ।

इस अवसर पर अध्यक्ष प्रेम कुमार अग्रवाल , सचिव मनोज कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष बैजनाथ गोयल, राजेन्द्र अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार अग्रवाल, गणेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, प्रतिक अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, राकेश सिंघानिया, संजय पोद्दार सहित समाज के पदाधिकारी उपस्थित थे। समाज के लोगों ने कहा है कि अमित बघेल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्यवाही करें।

जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक से कटघोरा डीएफओ निशांत कुमार लगातार अनुपस्थित : जनप्रतिनिधियों का भड़का आक्रोश

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन ने कहा – डीएफओ की अनुपस्थिति से नहीं हो पा रही समीक्षा

कोरबा (दिव्य आकाश)।

त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की लगातार उपेक्षा करना कोरबा के अधिकारियों का ट्रैंड बन गया है। जिला पंचायत के जनप्रतिनिधियों को अधिकारी तवज्जो तक नहीं देते, यहां तक कि जिला पंचायत सीईओ द्वारा खास निर्देश दिया गया है कि सभी विभाग प्रमुख जिला पंचायत की सामान्य सभा में उपस्थित हों, ताकि विभागों की समीक्षा हो सके। कटघोरा डीएफओ निशांत कुमार की हिटलरशाही यहां भी देखने को मिल रहा है। वे लगातार सामान्य सभा की बैठक से नदारद रहते हैं। इस बार की बैठक में सदस्यों ने इसे गंभीरता से लिया और कड़ी नराजगी जाहिर की। डीएफओ के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। सामान्य सभा ने कटघोरा डीएफओ को अल्टीमेटम भी दिया और अपनी कार्यशैली नहीं सुधारने पर शासन से शिकायत की भी बात कही।

गुरुवार को जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में भी ऐसा ही हुआ। यहां कटघोरा वनमंडल के डीएफओ नहीं पहुंचे, जिससे जिला पंचायत के सदस्यों ने कड़ी नाराजगी जताई। अध्यक्ष की अगुवाई में डीएफओ के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया है, इसे शासन को भी प्रेषित किया जाएगा।

सदस्यों ने कहा–आने वाले दिनों में डीएफओ कटघोरा नहीं आएंगे तो हम उनके कार्यालय में जाकर ही जिला पंचायत की बैठक करेंगे।

सदस्यों ने सामने रखी अपनी समस्या

जिला पंचायत के अलग–अलग सदस्यों ने अपनी समस्याएं सामने रखी। बैठक में यह भी बात उठी कि जैसा निर्देश दिया जाता है, वैसा काम नहीं किया जाता, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोग काफी नाराज रहते हैं। खास तौर पर हाथियों से परेशानी होने के कारण ग्रामीण क्षेत्र की जनता नाराज है। हाथी फसल को नुकसान पहुंचाते हैं, इसका मुआवजा काफी कम है, वह भी समय पर नहीं मिलता।

कटघोरा डीएफओ निशांत के खिलाफ शिकायत शासन को

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ पवन सिंह ने कहा कि कटघोरा डीएफओ निशांत कुमार निर्देश के बाद भी सामान्य सभा की बैठक में नहीं आते। वे लगातार तीन बार से बैठक में नहीं आ रहे हैं। सदस्यों ने जिला पंचायत सीईओ के सामने कड़ी नाराजगी जाहीर की और निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। प्रस्ताव शासन को भी भेजा जाएगा। 5–5 विभागों की समीक्षा हम सामान्य सभा में रखते हैं। आज भी पांच विभागों की समीक्षा थी। कटघोरा डीएफओ लगातार तीसरी बार बैठक से गायब थे। सदस्यों ने नाराजगी जाहिर की है। हम ग्रामीण क्षेत्र के जनप्रतिनिधि हैं, इसलिए हमारा ज्यादातर काम वन मंडल पर ही आश्रित रहता है। अधिकारी अपने अधीनस्थ एसडीओ को भेज देते हैं, जिन्हें कुछ जानकारी नहीं रहती है। हर महीने हमारी एक बैठक होती है। पहले भी हमने इसकी जानकारी दी है। त्रिस्तरीय पंचायती राज का सर्वोच्च सदन सामान्य सभा होता है। इसके बाद भी अधिकारी अनुपस्थित रहते हैं। अधिकारियों का यहां आना अनिवार्य होता है।

पानी हमारा, लाभ दूसरे जिले को

अध्यक्ष ने यह भी बताया कि बांगो बांध जरूर हमारे जिले में है, लेकिन कोरबा जिले का सिंचित रकबा काफी कम है। ज्यादातर खेती बारिश के पानी पर ही आश्रित है। आज प्रधानमंत्री नल जल योजना के तहत पाइपलाइन के जरिए पानी घर–घर पहुंच रहा है, लेकिन खेतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। नहर और अन्य निर्माण के जरिए हम ग्रामीण क्षेत्र का सिंचित रकबा बढ़ाने का प्रयास करेंगे, आने वाली बैठकों में अधिकारियों के साथ मिलकर इस दिशा में भी योजना बनाई जाएगी। पानी हमारे जिले का है, लेकिन इसका फायदा जांजगीर, सक्ती, रायगढ़ को मिलता है।

बैठक व्यवस्था नहीं होने से नाराजगी

सदस्यों ने जिला पंचायत सीईओ पर भी नाराजगी जताई। आगंतुकों के लिए कक्ष न होने के कारण सदस्यों ने इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन सीईओ ने ध्यान नहीं दिया और सदस्य भड़क उठे। अध्यक्ष, सदस्यों की अनुपस्थिति में उनके कक्षों में ताला बंद कर दिया जाता है, आगंतुक कक्ष को हमेशा बंद रखा जाता है। सदस्यों ने इस समस्या से कलेक्टर अजीत बसंत को भी अवगत कराया।

शिक्षा विभाग में अटैचमेंट का खेल

डीईओ को घेरा

सामान्य सभा की बैठक में शिक्षा विभाग की भी समीक्षा हुई। युक्तियुक्तकरण के संबंध में सवाल पूछे जाने पर विभाग की ओर से सभा को लिस्ट दी गई। इसमें जिले के 26 शिक्षक ऐसे हैं, जिन्होंने युक्तियुक्तकरण के बाद कार्यभार अब तक नहीं लिया है। इसके अलावा शिक्षकों के अटैचमेंट का भी मुद्दा उठा। शिक्षा विभाग ने शिक्षकों की सूची और संलग्न संस्था की जानकारी दी है। वर्तमान में 36 शिक्षक किसी न किसी संस्था में संलग्न हैं। इसके अलावा शिक्षा विभाग के 82 प्राथमिक शाला ऐसे हैं, जो अब भी एकल शिक्षकीय हैं। जबकि तीन माध्यमिक शाला ऐसे हैं, जो एकल शिक्षकीय हैं। सदस्यों ने डीईओ टी पी उपाध्याय को घेरा, सदस्यों के प्रश्न पर उपाध्याय ने मामले को देखने की बात कही।

शासन के निर्देशों की धज्जियां उड़ा रहे हैं डीईओ

शासन का सख्त निर्देश है कि शिक्षकों का अटैचमेंट कहीं भी न हों, इसका ध्यान रखा जाए। सचिव ने सभी कलेक्टरों को पत्र भी लिखा है, लेकिन कोरबा डीईओ साहब को शासन के निर्देशों से कोई मतलब नहीं। अटैचमेंट का खेल पोड़ी–उपरोड़ा में जमकर खेला जा रहा है, लेकिन डीईओ ने अब तक कोई कार्यवाही नहीं की। अटैचमेंट के खेल में कहीं डीईओ साहब का संरक्षण तो नहीं!

बालको प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश

कूटरचित दस्तावेज़ से श्रमिकों की क्रमोन्नति, पदोन्नति रोकी बालको प्रबंधन ने

बालको श्रमवीरों की बड़ी जीत

कोरबा (दिव्य आकाश)।

बालको में काम कर रहे हजारों स्थायी और अस्थायी मजदूरों के अधिकार को कमजोर करने और उनकी स्थायीकरण की प्रक्रिया को रोकने के लिए बालको प्रबंधन द्वारा दस्तावेज़ों में फर्जीवाड़ा किया। यह मामला अब गंभीर रूप ले चुका है।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कोरबा श्रीमती डॉली ध्रुव ने बालको प्रबंधन के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468 और 471 के तहत आपराधिक प्रकरण दर्ज करने का आदेश दिया है। साथ ही बालको प्रबंधन के प्रतिनिधि प्रतीक जैन को न्यायालय में उपस्थित होने का नोटिस जारी किया गया है।

यह है मामला

साल 2017–18 के वेतन समझौते के अनुसार ठेका श्रमिकों को वेतन वृद्धि और पदोन्नति दिया जाना था। लेकिन ठेकेदार और प्रबंधन इन अधिकारों को देने से लगातार बचते रहे। इसी न्याय के लिए बालको कर्मचारी संघ ने 13 अप्रैल 2022 से परसाभांठा गेट पर शांतिपूर्ण आंदोलन शुरू किया।

बालको प्रबंधन ने आंदोलन को रोकने के लिए फर्जी कागज़ पेश किए

बालको प्रबंधन ने श्रम न्यायालय, कोरबा में जाकर कहा कि यह हड़ताल अवैध है। प्रबंधन ने पंजीकृत स्थायी आदेश की एक ऐसी नकली प्रति पेश की, असली आदेश में 6 महीने काम करने वाले अस्थायी मजदूर को स्थायी माना जाता है, इस प्रावधान को हटा दिया गया और उसके स्थान पर फर्जी तरीके से दूसरी परिभाषा दर्ज कर दिया गया। इसका सीधा मतलब था — हजारों मजदूर, जो स्थायी होने के हकदार थे, उन्हें स्थायी घोषित न किया जाए, उनका वेतन, बोनस, पीएफ, मेडिकल लाभ, प्रमोशन — सभी अधिकार रोक दिए जाएँ। यानी मजदूरों का सीधा आर्थिक नुकसान और कंपनी का लाभ।

जब प्रबंधन द्वारा दी गई दस्तावेज़ों की प्रति को संघ के अधिवक्ता अब्दुल नफ़ीस खान ने असली पंजीकृत स्थायी आदेश से मिलाया, तो तत्काल पता चला कि दस्तावेज़ — कूटरचित (फर्जी) हैं। मामला श्रम न्यायालय में रखा गया।

श्रम न्यायालय ने 06 मई 2022 को आदेश देते हुए कहा: 'प्रबंधन द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत स्थायी आदेश असली नहीं है। इसके प्रावधानों में बदलाव किया गया है। ऐसा दोबारा न हो , प्रबंधन को सख्त चेतावनी दी गई।' पुलिस कार्रवाई नहीं होने पर मजदूरों को मजबूर होकर न्यायालय जाना पड़ा। बालको कर्मचारी संघ ने थाना बालको और पुलिस अधीक्षक, कोरबा को दस्तावेज सहित लिखित शिकायत दी। लेकिन किसी भी स्तर पर कार्रवाई नहीं हुई।

फलस्वरूप संघ को अपने अधिवक्ता अब्दुल नफीस खान के माध्यम से धारा 200 CrPC के तहत न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत करना पड़ा।

न्यायालय में थाना बालको से जांच प्रतिवेदन लिया गया। न्यायालय में परिवादी और उनके गवाहों का बयान दर्ज किया गया।दस्तावेज़ों की जाँच हुई। श्रम न्यायालय के आदेश की प्रति पेश की गई। सभी प्रमाण एक समान बात कह रहे थे।

दस्तावेज़ फर्जी थे और मजदूरों का नुकसान करने की कोशिश की गई।

माननीय न्यायालय ने अधिवक्ता अब्दुल नफीस खान का तर्क सुनने के बाद और प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर न्यायालय ने कहा कि यह मामला साधारण नहीं है — यह धोखाधड़ी, छल, और मजदूरों के कानूनी अधिकारों का हनन है।

इसीलिए न्यायालय ने संज्ञान लेते हुए बालको प्रबंधन के खिलाफ निम्न धाराओं में मामला दर्ज किया। धारा 420 धोखाधड़ी, 467 महत्वपूर्ण दस्तावेज़ की कूटरचना, 468 धोखाधड़ी हेतु कूटरचना, 471 फर्जी दस्तावेज़ का उपयोग।

न्यायालय का फैसला : मजदूरों के लिए इसका महत्व!

यह फैसला मजदूरों की संगठित एकता और संघर्ष की जीत है।

यह साबित करता है कि मजदूरों का अधिकार कागज़ों से नहीं संघर्ष से मिलता है।

अब स्थायीकरण, वेतन वृद्धि, सुविधा और सुरक्षा के मुद्दे और मजबूत होंगे।

आगे प्रबंधन अब मजदूरों के अधिकार छीनने से पहले 100 बार सोचेगा।

बालको मजदूर भाइयों — अब संदेश स्पष्ट है: संगठित रहोगे — तो अधिकार मिलेगा। चुप रहोगे — तो शोषण बढ़ेगा।

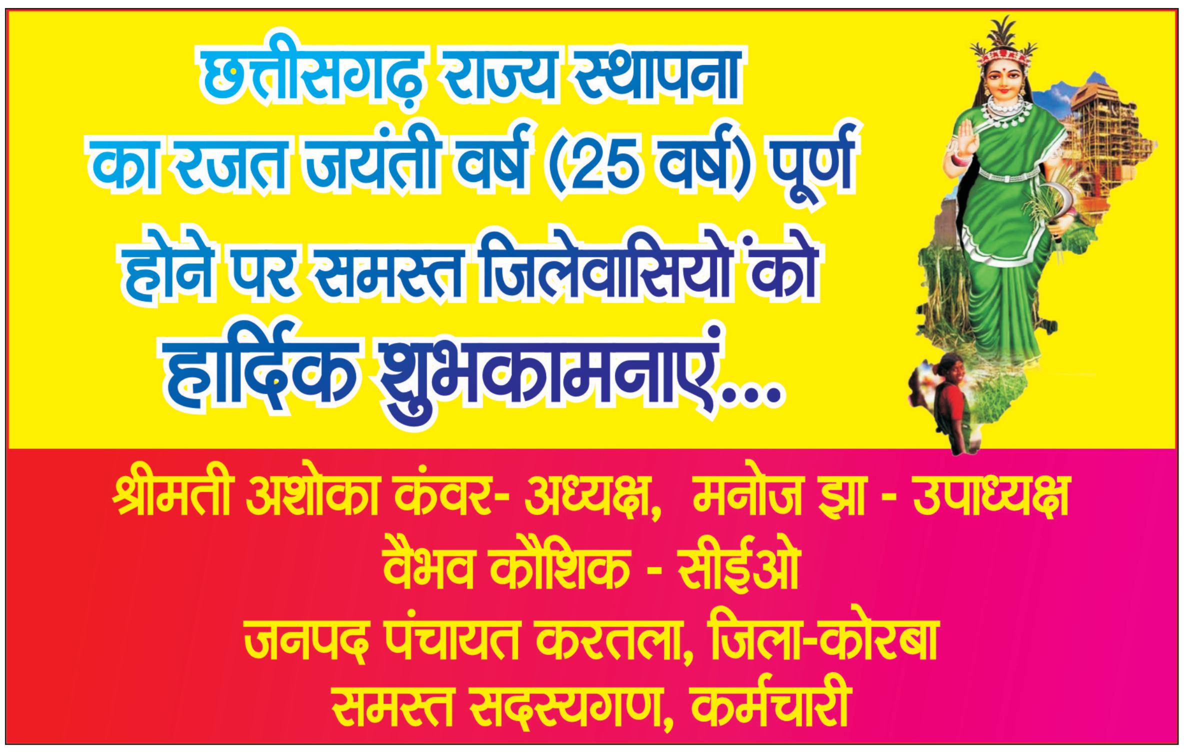

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com